दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-93 सीहोर, मंगलवार 26 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नीट पेपर लीक पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कहा- एनटीए ने पिछली गलतियों से सबक नहीं सीखा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। नीट पेपर लीक को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने परीक्षा कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को सख्त फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि ये बहुत दुख की बात है कि एनटीए ने अपनी पिछली गलतियों से कुछ नहीं सीखा है। कोर्ट ने एनटीए से यह भी पूछा कि उसके पुराने आदेशों के तहत गठित की जाने वाली निगरानी समिति का क्या हुआ।

कोर्ट ने कहा, हम परीक्षा पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह दुख की बात है कि उन्होंने सबक नहीं सीखा है। हमने एक आदेश पारित किया। एक समिति का गठन किया गया। उसने सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार कर लिया गया। एक निगरानी समिति भी थी। हम एनटीए को निर्देश देते हैं कि वह 14 नवंबर, 2024 को

गठित निगरानी समिति के संबंध में अपनी स्थिति बताते हुए एक हलफनामा दायर करे। कोर्ट ने एनटीए, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने न्यायमूर्ति राधाकृष्ण को परीक्षा सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए पहले गठित उच्चाधिकार समिति की सिफारिशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को रिकॉर्ड पर रखने का भी निर्देश दिया है। 3 दिन के भीतर इसका जवाब देना होगा। इस मामले की आगे की सुनवाई 29 मई को होगी।ये याचिका फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट ने दायर की है। इसमें एनटीए को बदलने या उसके ढांचे में बदलाव करने और न्यायिक निगरानी में दोबारा परीक्षा आयोजित करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कोर्ट से केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई कि वह नीट के आयोजन के लिए एनटीए की जगह किसी मजबूत, तकनीकी रूप से उन्नत और स्वायत्त संस्था को नियुक्त करे।

महाराष्ट्र के धुले जिले में भीषण सड़क हादसा, छह लोगों की मौत, 26 घायल

धुले (आरएनएस)। महाराष्ट्र के धुले जिले के लालिंग घाट इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं. यह सड़का हादसा जिले के लालिंग घाट इलाके में सुबह के समय हुई।

मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा रेत से भरे डंपर और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर के कारण हुआ. इस घटना के तुरंत बाद टोल प्लाजा स्टाफ और एक पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायलों को निकालने के काम में लग गई. इसी दौरान यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस ने ट्रंक और डंपर को टक्कर मारी।

त्विषा शर्मा केसः CBI को सौंपने के लिए SIT ने तैयार की केस डायरी, पति समर्थ से कराया क्राइम सीन रिक्रिएट

भोपाल (ए.)। नोएडा की त्विषा शर्मा की भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बहुचर्चित मामला शुरुआती जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार के गंभीर आरोपों के बाद अब राज्य पुलिस से निकलकर केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई के हवाले होने जा रहा है। सोमवार को भोपाल पुलिस की एसआईटी ने दिनभर केस से जुड़े दस्तावेज, बयान, मेडिकल रिपोर्ट और डिजिटल साक्ष्यों को व्यवस्थित कर केस डायरी तैयार की।देर रात तक चली कार्रवाई के बीच यह भी जानकारी सामने आई कि दिल्ली से सीबीआई की टीम भोपाल पहुंच चुकी है और मंगलवार को औपचारिक रूप से केस टेकओवर कर सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि केस से जुड़ा हर तकनीकी और दस्तावेजी पहलू व्यवस्थित किया गया है, ताकि सीबीआई को जांच में किसी तरह की परेशानी न हो।

घटना दुर्भाग्यपूर्ण, निष्पक्ष जांच जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को जानकारी दी कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को सौंप दी जाएगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया और मामले से जुड़े दोनों पक्षों से अपील की कि वे मीडिया में किसी प्रकार के बयान देने से बचें। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर अलग-अलग तरह के नैरेटिव बनाए जा रहे हैं।

2024 के जंतर-मंतर प्रदर्शन मामले में कांग्रेस नेता अलका लांबा दोषी करार, 5 जून को सजा पर सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 2024 में महिला आरक्षण के मामले पर निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में कांग्रेस नेता अलका लांबा को दोषी करार दिया है. एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने अलका लांबा की सजा की अवधि के मामले पर 5 जून को सुनवाई करने का आदेश दिया. कोर्ट ने 4 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में कोर्ट ने 14 जनवरी को अलका लांबा के खिलाफ औपचारिक रुप से आरोप तय करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने अलका लांबा को भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 221, 233ए और 285 के तहत आरोप तय किया था. बता दें कि 20 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने संबंधित घटना का वीडियो देखा था जिसमें पाया गया कि वो बलपूर्वक लोकसेवक को उसके काम में बाधा पहुंचा रही थीं।

केरल में आज मानसून देगा दस्तक, देश के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ होगी झमाझम बारिश

नईदिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक और नोएडा से लेकर यूपी के बांदा तक हर जगह भीषण गर्मी और लू का प्रकोप है। उत्तर भारत समेत देश के कई राज्य में भीषण गर्मी की चपेट में हैं। ऐसे में सभी को मानसून का इंतजार है। मानसून के आने के बाद ही गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। मानसून को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बस एक दिन और मानसून दस्तक दे देगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार केरल में करीब 26 मई

(मंगलवार) तक पहुंच सकता है। इस बार ये मानसून सामान्य तारीख 1 जून से पहले ही आ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली- एनसीआर में ये मानसून जून के महीने में आएगा। इसकी तारीख 27 से 30 जून के बीच बताई जा रही है। यूपी में ये मानसून 15 से 25 जून के बीच आएगा। बिहार में ये मानसून 12 से 15 जून के बीच आने की संभावना है। जब तक दिल्ली-एनसीआर और बाकी उत्तर भारत के राज्यों में मानसून नहीं आ जाता है, तब तक यहां के लोगों को गर्मी की मार सहन करनी पड़ेगी। इस बीच, मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में और अगले 2-3 दिनों के दौरान केरल और तमिलनाडु में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग गोंडोला सेवा में आई तकनीकी खराबी, कई फिट ऊंचाई पर फंसे रहे 300 पर्यटक

बारामूला,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सोमवार को गोंडोला सेवा (केबल कार सेवा) में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद करीब 300 पर्यटक बीच हवा में फंस गए। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, नागरिक प्रशासन के कर्मचारी और सेना के जवानों ने अभियान चलाकर पर्यटकों को गोंडोला से नीचे उतारा। घटना का पता चलने पर तंगमर्ग के उप-मंडल मजिस्ट्रेट और तहसीलदार भी ऑपरेशन की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पर्यटकों से भरी कई कैबिन इधर से उधर लोगों को ले जा रही थी, तभी कुछ तकनीकी समस्या आई और सभी कैबिन हवा में लटकने लगे। इससे अफरा-तफरी मच गई और कैबिन में बैठे पर्यटक शोर मचाने लगे। तुरंत राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की बचाव टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने जमीन से काफी ऊपर हवा में लटके कई पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया।

तमिलनाडु में छात्रा से रेप और मर्डर का मामला, पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को दोहरी मौत की सजा सुनाई

थूथुकुडी,(आरएनएस)। तमिलनाडु में एक अहम फैसले में, थूथुकुडी डिस्ट्रिक्ट पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने सोमवार को मुख्य आरोपी धर्मा मुनीश्वरन को विलाथिकुलम में 12वीं कक्षा की एक छात्रा के साथ बेरहमी से दुष्कर्म और हत्या के लिए दोहरी मौत की सजा सुनाई है.सोमवार को फैसला सुनाते हुए, सत्र न्यायाधीश प्रीथा ने कहा कि आरोपी के खिलाफ लगे भयानक आरोप बिना किसी शक के साबित हुए. रेप और मर्डर के लिए मौत की सजा के अलावा, कोर्ट ने गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए आरोपी को एक साल की कड़ी कैद की सजा भी सुनाई. सरकारी वकील एलम्माल किसिंजर ने अभियोजन पक्ष की तरफ से केस लड़ा.12वीं कक्षा की छात्रा से रेप और मर्डर के इस मामले ने पूरे राज्य में गुस्सा पैदा किया और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर तीखी बहस को फिर से हवा दी. पिछले कुछ महीनों में कई जरूरी घटनाओं के जरिए इस मामले में कई बातें निकल कर सामने आई।

मप्र के धार में बनेगा भव्य सरस्वती लोक, राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जाएगी : मोहन यादव

- मुख्यमंत्री ने भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन-पूजन कर धार को दी 88.04 करोड़ रुपये के 12 विकास कार्यों की सौगात

धार/भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनाएगी और राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला पर उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरशः पालन कराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को धार में जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी। धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जाएगे। उन्होंने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े 12 तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वत: चला जाता था। गंगा दशहरा पर सोमवार को प्रदेशव्यापी जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री ने धार में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की।

भोजशाला आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों के परिजन को दिए जाएंगे 5-5 लाख रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. बनसिंह, स्व. अंतरसिंह एवं स्व. लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान तीनों शहीदों के सम्मान में मौन रखकर इन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन कर विधि विधान से पूजन-अर्चन किया और वाग्देवी से प्रदेश की सुख-समृद्धि और नागरिकों की खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने मां वाग्देवी के सम्मान में धार में भव्य सरस्वती लोक बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राजा भोज की कर्मस्थली है, इसीलिए धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोपाल में भी राजा भोज का संग्रहालय बनाया जा रहा है।इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायकगण नीना विक्रम वर्मा व कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यहां 88.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को सौगात दी। इसमें 27.21 करोड़ रुपये की लागत से चंबल नदी पर लेबड़-घाटाबिल्लौद मार्ग पर फोरलेन उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी शामिल है।

महात्मा गांधी का पूरा नाम नहीं ले सके मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जनसुराज और आरजेडी ने घेरा

पटना,(आरएनएस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी साझा किया जा रहा है, जिसको लेकर जन सुराज पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) उन पर हावी है। दरअसल, वीडियो में मुख्यमंत्री चौधरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पूरा नाम नहीं ले पा रहे और गलत नाम बोलते दिख हैं। वीडियो पटना में आयोजित बिहार एआई समिट 2026 का बताया जा रहा है। वीडियो में मुख्यमंत्री मोहनदास करमचंद गांधी को मोहन चंद करम कन गांधी कह रहे हैं।

जन सुराज पार्टी ने मुख्यमंत्री का वीडियो साझा कर लिखा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से राष्टपिता महात्मा गांधी का नया नाम सुनिए!! आरजेडी ने वीडियो साझा कर लिखा, मोहनचंद करमगान गांधी बापू बनने का मौका दिया या महात्मा बनने का मौका दिया अरे एआई विशेषज्ञ मुख्यमंत्री आखिर कहना क्या चाहते हो बिहार युवा कांग्रेस ने लिखा, जिनसे महात्मा गांधी का नाम तक सही से नहीं लिया जा रहा, वही आज हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं...ये बिहार के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री चौधरी कार्यक्रम में बोल रहे थे, मोहन चंद करमकन गांधी जी को भी यदि बापू बनने का मौका दिया, बिहार की चंपारण धरती ने देने का काम किया।

फ्रांस से 114 राफेल विमान खरीदेगा भारत, 90 का निर्माण देश में ही होगा

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक और बड़ा कदम उठाया है। सरकार फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने जा रही है। इसके लिए अनुरोध पत्र (लोआर) को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे जल्द ही फ्रांस को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 114 में से लगभग 90 का निर्माण फ्रांसीसी और भारतीय कंपनी संयुक्त रूप से भारत में ही करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, 90 विमानों का निर्माण घरेलू स्तर पर फ्रांसीसी निर्माता डसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय कंपनी के बीच सहयोग से मिलकर होगा। वहीं, बाकी विमान उड़ान भरने के लिए तैयार स्थिति में मिलेंगे। रिपोर्ट में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि फ्रांस के लोआर का जवाब देने के तुरंत बाद भारत खरीद के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) को औपचारिक रूप देगा।

भारत सौदे के तहत लगभग 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री शामिल करने की योजना बना रहा है। साथ ही विमान के इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (आईसीडी) हासिल करने पर भी जोर दे रहा है, ताकि स्वदेशी हथियार प्रणालियों जैसे को राफेल में जोड़ा जा सके। हालांकि, विमान के पूरे सोर्स कोड तक पहुंच मिलने की संभावना कम मानी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार का लक्ष्य इस साल के अंत तक बातचीत पूरी कर सौदे पर हस्ताक्षर करना है।

इस प्रस्ताव को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 3 महीने पहले मंजूरी दी थी। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह अगले महीने की शुरुआत में फ्रांस की यात्रा पर जाने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी जून के अंत में फ्रांस दौरे पर जाने की उम्मीद है। बता दें वायुसेना के पास पहले से 36 राफेल विमान हैं, जबकि नौसेना भी आने वाले वर्षों में 26 राफेल-एम विमानों को शामिल करने जा रही है।

इस समझौते की अनुमानित कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। ये भारत के इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा समझौता होगा। यह वायुसेना की घटती स्क्वाड्रन क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। फिलहाल वायुसेना के पास 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 42 स्क्वाड्रन की है। भारत एक और 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की खरीद पर भी विचार कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कटौती से सरकार पर कितना बढ़ेगा बोझ? वित्त मंत्री ने दी जानकारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार (25 मई) को पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती करती है, तो सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ सकता है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोगों को राहत देने के ऐसे फैसलों का सीधा असर सरकारी कमाई पर पड़ता है। ऐसे समय यह बयान काफी अहम माना जा रहा है।

निर्मला सीतारमण ने साफ कहा कि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने से सरकार को करीब 1 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो सकता है। उन्होंने बताया कि यह रकम सरकार की कमाई का बड़ा हिस्सा होती है। ऐसे में राहत देने और सरकारी खर्च के बीच संतुलन बनाना जरूरी होता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच सरकार हर कदम को सोच-समझकर आगे बढ़ा रही है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल के दाम चार बार बढ़ चुके हैं।

वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने का कार्य ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम में 849 बेटे-बेटियों को मिली स्कॉलरशिप

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड विभिन्न नवाचारों से देश में सबसे आगे है। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के माध्यम से वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन की गई, इसके लिए भारत सरकार से स्कॉच अवार्ड मिला। यह पारदर्शी व्यवस्था पूरे देश के लिए उदाहरण बनी है। म.प्र वक्फ बोर्ड देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रहीम और रसखान ने दिया समरसता का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा देश रहीम और रसखान की मेलजोल की संस्कृति में विश्वास रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की जनता कानून में भरोसा रखती है, चाहे किसी भी समुदाय की हो। इसलिए भारत पूरे विश्व में आदर्श है।

कश्मीर की जनता ने पड़ोसी दरिंदों को खदेड़ा, यह भारत की आदर्श संस्कृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब जम्मू कश्मीर में पड़ोसी राष्ट्र से दरिन्दे आए तब वहां की जनता ने उनका सीधा विरोध किया और उन्हें खदेड़

दिया। हमारे देश की जनता बुद्धि और विवेक का उपयोग करती है। भारत की यह सुदृढ़ परम्परा और आदर्श संस्कृति है।

प्रधानमंत्री की पहल और मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नए वक्फ कानूनों से श्रेष्ठ कार्य को प्रोत्साहित किया है। जहां राज्यों के वक्फ बोर्ड की आय बढ़ रही है, वहीं सच्चाई के साथ कार्य करने का आनंद भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नए वक्फ कानून से अनेक वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा संभव हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नए वक्फ कानून के माध्यम से सुशासन और पारदर्शिता की व्यवस्था लागू करवाई है। अतिक्रमण को रोकने में सफलता मिली है। मध्यप्रदेश इस कार्य में अग्रणी है।

वक्फ सुधार के कार्य ऐतिहासिक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक वक्फ सुधार में इतना बड़ा कार्य नहीं हुआ है। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अभिनंदन का पात्र है। वक्फ संपत्तियों का संरक्षण और सुधार हो रहा है। नया वक्फ भवन भी बनाने की पहल हुई है, जिसका नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया।

पोर्टल से पारदर्शिता आई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब पारदर्शी कार्य प्रणाली लागू है। उम्मीद पोर्टल के माध्यम से सभी वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन हैं और रिकॉर्ड में दर्ज हुई हैं। वक्फ संपत्तियों के अतिक्रमण हटाने का कार्य बोर्ड द्वारा किया जा रहा है जो प्रशंसनीय है।

मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

भोपाल (ए.)। रांची में 22 से 25 मई 2026 तक आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी देव मीणा ने पुरुष पोल वॉल्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक अर्जित किया, जबकि कुलदीप कुमार ने रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने 5.45 मीटर का शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया। इसके साथ ही अकादमी के खिलाड़ी विनोद सिंह ने पुरुष 5000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 14:15.50 सेकेंड का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया। वहीं शॉटपुट स्पर्धा में समरदीप सिंह गिल ने 20.46 मीटर के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अकादमी को एक और बड़ी सफलता दिलाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स एवं एशियन गेम्स के लिए हासिल किया क्वालीफाइंग मार्क

देव मीणा और कुलदीप कुमार ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए निर्धारित 5.25 मीटर क्वालीफाइंग मार्क को पार करते हुए प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया। साथ ही दोनों खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के लिए निर्धारित 5.45 मीटर क्वालीफाइंग मानक भी हासिल कर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी मजबूत दावेदारी प्रस्तुत की है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश एवं देश के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। इसी क्रम में समरदीप सिंह गिल ने पुरुष शॉटपुट स्पर्धा में 20.46 मीटर का प्रदर्शन करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए निर्धारित 20.36 मीटर क्वालीफाइंग मानक एवं एशियन गेम्स के लिए निर्धारित 19.41 मीटर क्वालीफाइंग मार्क भी हासिल किया।

साइकिल से दफ्तर पहुंचे भोपाल जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट

भोपाल (आरएनएस)। जिला पंचायत के उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट सोमवार को साइकिल से दफ्तर पहुंचे। उन्होंने बैरसिया रोड स्थित अपने गांव कनेरा से जिला पंचायत ऑफिस तक करीब 35 किलोमीटर की दूरी ढाई घंटे में पूरी की। कहा कि सप्ताह में अब एक बार साइकिल से जरूर जिला पंचायत आऊंगा। इससे ईंधन तो बचेगा ही, सेहत भी ठीक रहेगी। बुधवार को उपाध्यक्ष जाट के साइकिल से जिपं ऑफिस आने का मामला चर्चा में रहा। जिपं सदस्य प्रतिनिधि विनोद राजोरिया ने उनका स्वागत किया। कहा कि यह अच्छी पहल है। आगे से वे भी साइकिल चलाएंगे। पहले दिन दिक्कतें भी आईं उपाध्यक्ष जाट ने बताया, प्रधानमंत्रीजी की अपील के बाद मैंने तय कर लिया था कि सप्ताह में एक दिन साइकिल से ही आऊंगा।

मुख्तार मलिक का बेटा यासीन गिरफ्तार

भोपाल (ए.)। जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में यासीन मलिक को कोहेफिज़ा पुलिस ने रविवार रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यासीन मलिक कुख्यात बदमाश मुख्तार मलिक का बेटा है और उसके खिलाफपहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिला बदर में रहते हुए रविवार को मां से मिलने आया था। मां के घर के बाहर से मुखबिर की सूचना पर उसकी गिरफ्तारी की गई है। कोहेफिज़ा थाना प्रभारी केजी शुक्ला के मुताबिक यासीन मलिक के खिलाफकरीब नौ आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता को देखते हुए प्रशासन ने उसे छह माह के लिए जिला बदर किया था। हालांकि जिला बदर की अवधि पूरी होने से पहले ही वह भोपाल में नजर आया। बताया जा रहा है कि जिला बदर की कार्रवाई को अभी तीन महीने ही हुए थे। पुलिस के अनुसार देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि यासीन मलिक कोहेफिज़ा इलाके में अपनी मां के घर के बाहर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और इलाके की घेराबंदी कर आरोपी को मौके से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसकी तलाशी ली, लेकिन उसके पास से किसी प्रकार का हथियार बरामद नहीं हुआ। इसके बावजूद पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह जिला बदर के बावजूद शहर में क्यों मौजूद था।

गर्मी से राहत देने में जुटा भोपाल मंडल, स्टेशनों पर स्वयंसेवकों द्वारा निःशुल्क पेयजल वितरण

रेल यात्रियों के लिए राहत की पहल, भोपाल मंडल के 16 स्टेशनों पर अतिरिक्त पेयजल सुविधा

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में गर्मी के मौसम में यात्रियों को यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से बचाव हेतु पीने का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में भोपाल मंडल द्वारा सभी स्टेशनों पर पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में एनजीओ व स्वयंसेवी संस्था द्वारा बीना, ब्यावरा राजगढ़, विदिशा, नर्मदापुरम, संत हिरदाराम नगर, अशोकनगर, गंज बसोदा, खिरकिया, मंडी बामोरा, रूठियाई, हरदा, भोपाल, गुना, बदरवास, मूंगावली एवं शाजापुर जैसे

मंडल के कुल 16 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को पानी पिलाने के कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में स्वमं सेवक सेवाभाव से यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य कर रहे है। जिसमे स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है जिससे यात्रियों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल प्राप्त हो सके।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्री सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है और यह प्रयास यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने हेतु एक अभीष्ट कदम है। इस अतिरिक्त पेय जल की व्यवस्था से विशेष रूप से सामान्य कोच के यात्रियों को भीषण गर्मी में राहत मिला रहा है।

स्विमिंग पूल में डूबने से 12वीं के छात्र की मौत

भोपाल (आरएनएस)। परवलिया इलाके में जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्विमिंग पूल में डूबने से 18 वर्षीय छात्र अस्मित रैकवार की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परवलिया थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा के मुताबिक, अस्मित डीआईजी बंगला इलाके का निवासी था और 12वीं कक्षा का छात्र था। रविवार को वह अपने दोस्त आलोक तिवारी का जन्मदिन मनाने 8 से 10 दोस्तों के साथ मुबारकपुर स्थित प्रिंस वाटर पार्क गया था बताया जा रहा है कि सभी युवक स्विमिंग पूल में नहा रहे थे। इसी दौरान कम जगह में अधिक लोगों के उतरने से अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। कुछ देर बाद अस्मित पानी में बेसुध हालत में मिला। दोस्तों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, जिस स्थान पर घटना हुई वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, इसलिए हादसे के फुटेज नहीं मिल सके हैं। पुलिस मृतक के दोस्तों और वाटर पार्क कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास स्थान पर सौजन्य भेंट की।

जल स्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी सबसे बड़ी ताकत : प्रभारी मंत्री श्री काश्यप

गंगा दशहरा पर शाहपुरा झील में किया श्रमदान, आमजन से जलगंगा संवर्धन अभियान से जुड़ने का किया आह्वान

भोपाल, (ए.)। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने शाहपुरा झील में श्रमदान कर जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही यह अभियान सफल हो सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री काश्यप ने महापौर श्रीमती

मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन तथा अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों के साथ शाहपुरा झील की साफ-सफाई हेतु श्रमदान किया। इस दौरान पर्यावरण परिसर (एप्को) में वृक्षारोपण भी किया गया। प्रभारी मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

बालकनी से गिरकर बुजुर्ग की मौत

भोपाल (आरएनएस)। कजलीखेड़ा इलाके में बालकनी से गिरने के कारण 63 साल के रवीन्द्र खरे की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, वे अपनी बेटी के पगफेरे की रस्म में शामिल होने भोपाल आए थे और दृष्टि सिटी कॉलोनी में अपने भाई के घर रुके थे। देर रात बाथरूम समझकर उन्होंने गलती से बालकनी का दरवाजा खोल दिया और नीचे गिर गए। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

रचना टॉवर के बेसमेंट में दो वाहनों में लगी आग

भोपाल (आरएनएस)। रचना नगर स्थित रचना टावर के बेसमेंट में सोमवार दोपहर खड़े दो वाहनों में आग लग गई। घटना से बिल्डिंग में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले बेसमेंट में खड़े एक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगी। पास खड़ी एसयूवी ने पकड़ी आग इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के पास कई वाहन खड़े थे। इनमें से एक एसयूवी कार ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी कार धू-धूकर जलने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर चार्जिंग पर लगी थी। आशंका है कि इसी दौरान आग भड़की। आग लगते ही पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया। कई परिवारों के रहने के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बुझाने की कोशिश की आग लगने के बाद लोग खुद आग बुझाने के लिए दौड़े, लेकिन लपटें तेजी से फैलने के कारण काबू नहीं पाया जा सका। सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कुछ देर की मशक्कत के बाद आग बुझाई।

भोपाल मंडल ने 2026 चार माह में ट्रेन में चेन पुलिंग करने वाले 1746 व्यक्तियों पर की कार्रवाई

भोपाल (निप्र)। डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ अभिषेक के नेतृत्व में भोपाल रेल मंडल की सुरक्षा और संचालन में व्यवधान को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए कई कठोर कदम उठाए हैं। अलार्म चेन का गलत उपयोग न केवल ट्रेन संचालन में देरी का कारण बनता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है।

रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत ट्रेनों में बिना उचित और पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग किया जाना अपराध है। ऐसा करते पाए जाने पर एक वर्ष तक के कारावास या एक हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। भोपाल मंडल द्वारा इस वर्ष 2026 के चार माह जनवरी से अप्रैल तक में रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत कुल 1746 मामले दर्ज कर न्यायालय के माध्यम से 3.5 लाख रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। जनवरी में 495 मामलें, फरवरी में 391, मार्च में 420 तथा अप्रैल में 440 मामलें पकड़े गये जिनसे जुर्माना क्रमशः 11,0720 रूपये, 85,000 रूपये, 87,345 रूपये एवं 66,650 रूपये वसूला गया। भोपाल मंडल सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों के क्रम में मंडल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खीचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाये जा रहे है। रेल प्रशासन

अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उक्त कृत्य से रेल संचालन विपरीत प्रभाव पड़ता है।

अलार्म चेन खींचने के प्रभाव

-ट्रेन की समयपालनता प्रभावित होती है

-अन्य यात्रियों को परेशानी होती है

-रेलवे को आर्थिक नुकसान होता है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा अनुभव मिले और अलार्म चेन पुलिंग जैसी घटनाओं को कड़े कदमों से रोका जा सके। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन पहलों का समर्थन करें और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

मैपकास्ट के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग में विज्ञान आधारित कार्यशालाओं का हुआ आयोजन

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के अंतर्गत संचालित सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग में वर्चुअल साइंस फन कैंप एवं साइंस ऑफ साउंड्स विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, रचनात्मक चिंतन एवं तकनीकी समझ विकसित करना था। कार्यशालाओं में विभिन्न विद्यालयों से आए 34 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े आधुनिक डिजिटल उपकरणों, प्रयोगात्मक गतिविधियों एवं व्यवहारिक वैज्ञानिक अवधारणाओं की जानकारी प्राप्त की। मैपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रवि भारद्वाज, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण डिगर्रा, संयुक्त परियोजना संचालक डॉ. मनोज राठौर और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. समीर द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

समूह से अलग होकर भटक रहे नर हाथी का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

दक्षिण शहडोल वन मंडल में वन विभाग ने की प्राप्त बड़ी सफलता

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में हाथियों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष संवेदनशीलता दिखाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि हाथी जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के महत्वपूर्ण संरक्षक हैं। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में हाथियों की निगरानी, संरक्षण एवं मानव-हाथी सह-अस्तित्व को लेकर लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अनूपपुर एवं दक्षिण शहडोल वन मंडल के वन क्षेत्रों में कई दिनों से विचरण कर रहे नर हाथी ई-5 को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का बड़ा अभियान सम्पन्न किया गया। हाथी ई-5 के कारण हाल के दिनों में मानव-हाथी संघर्ष की अनेक घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें जनहानि, मवेशियों की क्षति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं शामिल थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक डॉ. समिता राजौरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति के मार्गदर्शन में दक्षिण शहडोल वन मंडल के केशवाही रेंज में व्यापक रेस्क्यू एवं ट्रांसलोकेशन ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक द्वारा हाथी सलाहकार समिति एवं वरिष्ठ फील्ड अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इसके बाद फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ. अनुपम सहाय तथा मुख्य वन संरक्षक शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह के संयुक्त नेतृत्व में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, दक्षिण शहडोल, उत्तर शहडोल एवं अनूपपुर वन मंडलों की संयुक्त टीमों द्वारा अभियान संचालित किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने से पहले लगातार जमीनी निगरानी, रात्रिकालीन गश्त, ड्रोन आधारित मॉनिटरिंग, हाथी की गतिविधियों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग तथा ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य किया गया।

अंधविश्वास की हद : मां ने पांच दिन घर में रखा बेटे का शव, सीने पर बाइबल रख जिंदा करने का टोटका; ऐसे हुआ खुलासा

विदिशा (ए.)। विदिशा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित क्रांति चौक से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां बुजुर्ग महिला ने अपने 42 वर्षीय बेटे की मौत के बाद शव को करीब पांच दिन तक घर में ही रखा। मान्यता थी कि बेटे के सीने पर बाइबल रखकर प्रार्थना करने से वह दोबारा जीवित हो जाएगा। मोहल्ले में बदबू फैलने और दरवाजे पर खून जैसे निशान दिखने के बाद मामले का खुलासा हुआ।

मरियम वर्गिस के घर रोजाना दूध देने वाले सचिन लोधी सोमवार सुबह पहुंचे तो दरवाजे से तेज बदबू आ रही थी। दरवाजे के पास फर्श पर खून के धब्बे भी दिखे। सचिन ने बताया कि जब उसने मरियम से पूछा तो उनका जवाब हैरान करने वाला था। मरियम ने कहा कि सबने मिलकर मेरे बेटे को मार डाला। शक होने पर सचिन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर का नजारा देख पुलिस भी सन्न रह गई। एक कमरे में 42 वर्षीय बेटे का शव पड़ा था। शव पर बाइबल रखी हुई थी और आसपास प्रार्थना से जुड़ा सामान मिला। पुलिस के अनुसार शव करीब पांच दिन पुराना था। बदबू पूरे इलाके में फैल चुकी थी। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि मरियम वर्गिस की उम्र

काफी हो चुकी है और वह मानसिक रूप से कमजोर हैं। पति के निधन के बाद से वह बेटे के साथ अकेली रहती थीं। बेटे की अचानक मौत को वह स्वीकार नहीं कर पाईं। आसपास के लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मरियम घर से बाहर नहीं निकली थीं। घर से अजीब आवाजें भी आती थीं।

सिविल लाइन थाना प्रभारी राज्यवर्धन सिंह जादौन ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि मरियम वर्गिस के घर से बदबू आ रही है। मौके पर जाकर जांच की तो उनके बेटे का शव मिला। प्रथम दृष्टया मामला प्राकृतिक मौत का लग रहा है। मरियम की उम्र ज्यादा है और घर में कोई अन्य सदस्य नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साक्ष्य के आधार पर आगे जांच की जाएगी।

पुलिस जांच में सामने आया कि मरियम को विश्वास था कि बाइबल रखकर लगातार प्रार्थना करने से बेटा फिर से उठ खड़ा होगा। इसी अंधविश्वास में उन्होंने पांच दिन तक शव को घर में रखा। न किसी को बताया न अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया है। घटना के बाद क्रांति चौक इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग मरियम के घर के बाहर जमा हो गए। पुलिस ने फिलहाल मरियम को निगरानी में रखा है और उनके रिश्तेदारों को सूचना दी है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मौत की असली वजह रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी।

शहडोल में किन्नर महामंडलेश्वर और संतों का महासमागम, सनातन धर्म में 6 किन्नरों की घर वापसी

शहडोल (ए.)। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ शहडोल में दो दिवसीय राष्ट्रीय किन्नर महासमागम का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर से किन्नर महामंडलेश्वर, जगद्गुरु और संत समाज के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम जगद्गुरु काजल ठाकुर माँ (भोपाल) के सान्निध्य में संपन्न हुआ, जबकि आयोजन की मुख्य जिम्मेदारी शहडोल की सोनाली पटेल और सिवनी की सिवानी पटेल ने संभाली।

पहले दिन जुड़ाव, दूसरे दिन पट्टाभिषेक

महासमागम के पहले दिन विभिन्न राज्यों से पहुंचे किन्नर समाज और संतों का परिचय एवं जुड़ाव कार्यक्रम आयोजित हुआ। दूसरे दिन सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच पट्टाभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें कई संतों और किन्नर प्रतिनिधियों को धार्मिक पदवियां प्रदान की गईं।

जैन साध्वियों की मौत के विरोध में यहां बंद जैसा माहौल, लोगों ने निकाला मौन जुलूस; उठी सीबीआई जांच की मांग

टीकमगढ़ (ए.)। रीवा में सड़क किनारे पैदल विहार कर रही तीन जैन साध्वियों को कार द्वारा कुचलने की घटना के विरोध में सोमवार को टीकमगढ़ में जैन समाज का भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना को लेकर शहर में जैन समाज के साथ विभिन्न संगठनों और हिंदू समाज के लोगों ने मौन जुलूस निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

सुबह जैन मंदिर से शुरू हुआ मौन जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ गांधी चौराहे तक पहुंचा। इस दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा हाथों में बैनर और तख्तियां लिए शामिल हुए। पूरे जुलूस में लोगों ने शांति बनाए रखते हुए घटना के प्रति दुख और आक्रोश व्यक्त किया। कई लोगों की आंखें नम दिखाई दीं और सभी ने मृत साध्वियों को श्रद्धांजलि दी।

जुलूस के बाद गांधी चौराहे पर सभा का आयोजन किया गया, जहां समाज के वरिष्ठ लोगों और जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक के के श्रीवास्तव ने घटना को बेहद दुखद और अमानवीय बताते हुए मामले की CBI जांच कराने की मांग की।

हनीट्रैप में एटीएस की एंट्री, रेशू के प्रेमी से भी पूछताछ, आरोपियों की आज कोर्ट में पेशी

इंदौर (ए.)। इंदौर में बहुचर्चित हनीट्रैप मामले की जांच में अब एक बड़ा मोड़ सामने आया है, जहां आतंकवाद विरोधी दस्ते यानी एटीएस की इस पूरे प्रकरण में एंट्री हो चुकी है। विशेष जांच दल के पहुंचने से पहले ही एटीएस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित रेशू चौधरी के घर पर दबिश दी और उस मोबाइल फोन को अपने कब्जे में ले लिया, जिसका उपयोग आपत्तिजनक फोटो और डेटा को अलग-अलग जगहों पर भेजने के लिए किया गया था।

वर्तमान में साइबर विशेषज्ञों की एक विशेष टीम इस मोबाइल से फॉरवर्ड किए गए तमाम संवेदनशील डेटा और तस्वीरों को रिकवर करने के प्रयास में जुटी हुई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह डेटा किन-किन लोगों तक पहुंचाया गया था। इस पूरी कार्रवाई के बीच रेशू का ब्वॉयफ्रेंड शुभम भी अब पुलिस और जांच एजेंसियों के रडार पर आ चुका है, जिससे इस मामले में उसकी संलिप्तता की गहराई से जांच की जा रही है। इस बीच, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपितों की पुलिस रिमांड की अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है, जिसके चलते पुलिस अपनी जांच को अंतिम रूप देने में लगी है।

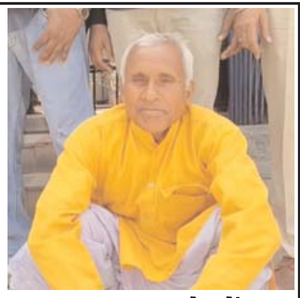

27 साल बाद भगवा वेश में पकड़ा गया हत्या का आरोपी, नाम बदलकर झांसी में बना बैठा था आचार्य

शिवपुरी(ए.)। शिवपुरी जिले की दिनारा थाना पुलिस ने 27 साल पुराने हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी देवपाल लोधी ने पहचान छिपाने के लिए न सिर्फ भगवा वस्त्र धारण कर लिए थे, बल्कि आधार कार्ड में सरनेम बदलकर आचार्य भी करवा लिया था। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के ग्राम लिधोरा से पकड़ा।

नर्मदा में डूबे सीमेंट कंपनी के दो साइट इंचार्ज, 15 घंटे बाद मिला शव; मौत से पहले ली थी ये आखिरी सेल्फी

धार (ए.)। धार के मनावर के समीप ग्राम सेमल्दा में रविवार शाम एक नर्मदा नदी में नहाने गए अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के दो साइट इंचार्ज गहरे पानी में डूब गए। रविवार शाम से शुरू हुए रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह गोताखोरों की टीम ने दोनों युवकों के शवों को गहरे पानी से 15 घंटे बाद बाहर निकाल लिया है। मृतकों की पहचान पूरण यादवऔर दिनेश यादव के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान के कोटपुतली के निवासी थे।

गहरे पानी में जाने से बिगड़ा संतुलन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनावर के टोंकी स्थित सीमेंट कंपनी में कार्यरत चार दोस्त पूरण यादव, दिनेश यादव, मनोज यादव और नवीन योगी रविवार की छुट्टी होने के कारण शाम करीब 5 बजे सेमल्दा नर्मदा तट पर घूमने और स्नान करने पहुंचे थे। नहाने के दौरान पूरण और दिनेश अचानक करीब 15 से 20 फीट गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। किनारे पर मौजूद उनके साथियों और स्थानीय नाविकों ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव और गहराई अधिक होने से सफलता नहीं मिली।

चश्मदीद दोस्त नवीन योगी ने बताया हम चारों साथ में नर्मदा तट पर आए थे। मैं और मनोज नदी के बाहर ही खड़े होकर पूरण और दिनेश को देख रहे थे, हम पानी में नहीं उतरे थे। देखते ही देखते दोनों गहरे पानी की ओर चले गए और डूब गए।

रात को रोकना पड़ा था सर्च ऑपरेशन

घटना की सूचना मिलते ही मनावर पुलिस और प्रशासनिक अमला तुरंत मौके पर पहुंचा। स्थानीय ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से नावों के जरिए रविवार देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन अंधेरा अधिक होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। इसके बाद सोमवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में दोबारा तलाशी अभियान शुरू किया गया, जिसके बाद दोनों के शव बरामद हुए। इस घटना के बाद से ही घाट पर कंपनी कर्मचारियों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा थी।

बीच रास्ते में गायब हो रहा करोड़ों लीटर नर्मदा का पानी, टंकियां खाली, जनता बेहाल

इंदौर (ए.)। इंदौर में बढ़ती गर्मी के कारण पानी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में नर्मदा प्रोजेक्ट पर भी पूरी क्षमता से पानी की सप्लाई बनाए रखने का दबाव काफी ज्यादा बढ़ गया है। लेकिन कुछ समय पहले एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि जलूद से इंदौर तक आने वाले नर्मदा तृतीय चरण के पानी की मात्रा में हर दिन बहुत बड़ा अंतर आ रहा है। यानी, जलूद से जितना पानी इंदौर भेजा जा रहा है, उतना पानी इंदौर पहुंच ही नहीं रहा है। इसमें रोजाना 12 से 48 एमएलडी तक का बड़ा अंतर दर्ज किया जा रहा है।

लाखों लोगों की प्यास पर असर

एक एमएलडी में 10 लाख लीटर पानी होता है। इस हिसाब से देखा जाए तो 12 से 48 एमएलडी के मुताबिक यह कमी रोजाना 1.2 करोड़ से 4.8 करोड़ लीटर पानी की बैठती है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय के तहत काम करने वाले सीपीएचईईओ (सेंट्रल पब्लिक हेल्थ एंड एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग ऑर्गेनाइजेशन) के मानकों के अनुसार हर व्यक्ति की दैनिक जरूरतों के लिए 135 लीटर पानी की उपलब्धता बेहद जरूरी है। ऐसे में इंदौर के रास्ते में गायब होने वाले 1.2 करोड़ लीटर पानी से 88 हजार लोगों की और 4.8 करोड़ लीटर पानी से 3 लाख 55 हजार लोगों की जरूरत आसानी से पूरी हो सकती है। हालांकि इस अंतर को कम करने के लिए इस काम से जुड़ी दो निजी कंपनियों को इस साल मार्च महीने में नोटिस जारी किया गया था। इसके साथ ही पूरे सिस्टम की रोजाना बारीकी से मॉनिटरिंग भी शुरू कर दी गई।

मार्च के दावे, मई में हुए फेल

मार्च में जब इस गंभीर स्थिति को लेकर तृतीय चरण के पानी सप्लाई की बारीकी से मॉनिटरिंग की गई तो यह बात पूरी तरह साफ हो गई कि जलूद से जितना पानी लिफ्ट किया जा रहा है, उतना इंदौर तक नहीं पहुंच रहा है। मार्च में नगर निगम ने दावा किया था कि पानी की सप्लाई में आ रही इस गड़बड़ को जल्द ही पूरी तरह से ठीक कर दिया जाएगा, लेकिन मई के महीने में शहर में जिस तरह से हालात बिगड़ गए हैं, उससे साफ पता चलता है कि पानी की सप्लाई व्यवस्था में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है।

पूरी क्षमता से पंपिंग के बाद भी टंकियां खाली

नर्मदा प्रोजेक्ट के तहत प्रथम व द्वितीय चरण से करीब 96 एमएलडी और तृतीय चरण से लगभग 350 एमएलडी पानी की सप्लाई की जा रही है। यह पानी करीब 70 किलोमीटर दूर जलूद से विभिन्न पंपिंग स्टेशन, फिल्टर प्लांट और जल शुद्धीकरण संयंत्रों के जरिए इंदौर शहर तक पहुंचता है। हालांकि रोजाना इतना पानी लिफ्ट करने के बावजूद शहर की 106 टंकियां पूरी तरह नहीं भर पा रही हैं। इसका सीधा असर शहर के जल वितरण पर पड़ रहा है और कई इलाकों में पानी की भारी कमी की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे यह साफ है कि पानी जितना भेजा रहा है उतना इंदौर तक पहुंच नहीं पा रहा है।

कचरा जमने से प्रभावित हो रही पंपिंग

जलूद स्थित इंटेकवेल तक पहुंचने वाली नहर में जमा कचरा, कंजी, प्लास्टिक वेस्ट और अन्य गंदगी के कारण पंपिंग प्रक्रिया हमेशा प्रभावित होती है। इससे पानी का डिस्चार्ज काफी कम होता है और आगे की सप्लाई बाधित होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए जलूद में नर्मदा नदी से इंटेक वेल के बीच की नहर की सफाई की जाती है और बड़ी मात्रा में कचरा हटाया जाता है। भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो, इसके लिए 30 मीटर लंबी नहर में डबल स्क्रीनिंग जाली लगाने का काम भी शुरू किया गया है। इससे कचरा आगे पंपिंग सिस्टम तक नहीं पहुंच पाएगा और पानी का प्रवाह बेहतर बना रहेगा।

मार्च के आंकड़ों ने खोली पोल

नर्मदा प्रोजेक्ट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, इस साल मार्च में हर दिन तृतीय चरण का 348 एमएलडी के लगभग पानी सप्लाई किया गया, जबकि इंदौर तक सिर्फ 316 एमएलडी के आसपास ही पानी पहुंचा। यानी इसमें सीधे तौर पर लगभग 32 एमएलडी का अंतर आया। मार्च के पूरे महीने में हर दिन इसी तरह रिकॉर्ड का मिलान किया गया जिसमें पता चला है कि हर दिन 12 से 48 एमएलडी तक का अंतर पाया गया है। इसे दूर करने के लिए नर्मदा प्रोजेक्ट के स्टाफ ने प्रयास तेज किए और प्रबंधन ने पानी लिफ्टिंग व वितरण से जुड़ी दोनों निजी कंपनियों को नोटिस भी जारी किए।

व्यापार समाचार

सोने में 600 ज्यादा की तेजी, चांदी के भाव 2.76 लाख के पार

- अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहे मजबूत संकेतों से वायदा बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) दोनों में कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिल रहे मजबूत संकेतों के चलते भारतीय वायदा बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा, जिससे सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 600 रुपये से अधिक महंगा हुआ, जबकि चांदी के जुलाई कॉन्ट्रैक्ट ने 4,300 रुपये से ज्यादा की छलांग लगाई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के जून कॉन्ट्रैक्ट ने सोमवार को तेज शुरुआत की। यह 471 रुपये की उछाल के साथ 1,59,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,58,679 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 637 रुपये की तेजी के साथ 1,59,316 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,59,500 रुपये का उच्च स्तर और 1,59,150 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 1,80,779 रुपये दर्ज किया गया था। चांदी ने भी मारी लंबी छलांग चांदी के वायदा भाव में भी सोमवार को जोरदार तेजी रही। एमसीएक्स पर चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 4,837 रुपये की बड़ी उछाल के साथ 2,76,683 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,71,846 रुपये था। समाचार लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 4,394 रुपये की तेजी के साथ 2,76,240 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसने दिन के उच्चतम स्तर 2,76,888 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,75,544 रुपये को छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी तेज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 38.60 डॉलर की तेजी के साथ 4,561.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,532 डॉलर पर खुला था। इस साल इसका सर्वोच्च स्तर 5,586.20 डॉलर था। इसी तरह, चांदी का वायदा भाव 1.95 डॉलर की बढ़त के साथ 78.14 डॉलर प्रति औंस पर था, जो 76.75 डॉलर पर खुला था। इस साल चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,134 , निफ्टी 330 अंक उछला

मुम्बई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी तेजी के साथ बंद हुआ। ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की बढ़ती उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह आया है। इसी कारण दिन भर के बाजारों के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,134 अंक बढ़कर 76,549.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 330 अंक की ऊपर आकर 24,049.55 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान हर क्षेत्र में तेजी रही। ऑयल एंड गैस, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग, एनर्जी और रिएल्टी सेक्टर्स में 1-1 फीसदी से ज्यादा की मजबूती रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। बड़े शेयरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शेयरों में भी आज काफी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1 फीसदी उछला।

आज अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में उछाल आया। एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिससे यह स्टॉक 12 फीसदी से ज्यादा उछलकर 2,850.80 के साथ अपने 52 हफ्ते के नए उच्च स्तर पर पहुंच गये। बाजार में कुछ शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी। इसमें मैक्स हेल्थकेयर , ओएनजीसी, हिंडाल्को, टीसीएस , बजाज ऑटो, डॉलर के मुकाबले रुपये में शानदार रिकवरी रही।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की उम्मीदों से वैश्विक बाजारों में उछाल, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक शेयर बाजारों में सोमवार को शानदार तेजी देखने को मिली है, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में चार डॉलर से अधिक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यह सकारात्मक रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने की बातचीत आगे बढ़ रही है। इस भू-राजनीतिक घटनाक्रम ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताओं को कम किया है।

शांति समझौते की ओर बढ़ते कदम

राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, ईरान के साथ बातचीत "व्यवस्थित और रचनात्मक तरीके से" चल रही है। क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान एक समझौते पर पहुंचने के काफी करीब हैं। इस संभावित समझौते के तहत तीन प्रमुख बातें सामने आ रही हैं- युद्ध की समाप्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य का दोबारा खुलना और ईरान की ओर से अपने उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार को छोड़ने पर सहमत होना।

वैश्विक शेयर बाजारों का हाल

शांति समझौते की इन उम्मीदों का सीधा असर दुनिया भर के शेयर बाजारों पर दिखा:

एशियाई बाजार: जापान का बेंचमार्क निक्केई 2252.9 प्रतिशत का भारी उछाल दर्ज करते हुए 65,158.19 के स्तर पर बंद हुआ।

ऑस्ट्रेलिया: सूचकांक 0.4 प्रतिशत बढ़कर 8,692.00 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कंपोजिट में लगभग एक प्रतिशत की बढ़त देखी गई (4,152.57)। दक्षिण कोरिया और हांगकांग के बाजार बुद्ध जयंती के कारण बंद रहे।

यूरोपीय बाजार: फ्रांस के सीएसी 40 इंडेक्स में 1.1 प्रतिशत (8,203.32) और जर्मनी के डीएएक्स में 1.0 प्रतिशत (25,148.39) की मजबूती आई। ब्रिटेन के एफटीएसई 100 में भी 0.2 प्रतिशत की बढ़त रही।

अमेरिकी बाजार: अमेरिका में 'मेमोरियल डे' के अवकाश के कारण सोमवार को ट्रेडिंग बंद रही। हालांकि, पिछले कारोबारी सत्र (शुक्रवार) में S&P 500 में 0.4 प्रतिशत, डाओ जोंस में 0.6 प्रतिशत और नैस्डैक में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

कच्चे तेल और मुद्रा बाजार पर प्रभाव

होर्मुज जलडमरूमध्य का दोबारा खुलना कच्चे तेल की कीमतों की दिशा तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाएगा। युद्ध के कारण इसके बंद होने से तेल टैंकरों का फारस की खाड़ी से निकलना रुक गया था, जिससे दुनिया भर के ग्राहकों तक तेल की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

टीएमसी की उम्मीद गलत साबित हुई

टीएमसी की ये उम्मीद गलत साबित हुई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदी' पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच पहले ही गलत साबित हो चुकी है। पश्चिम बंगाल का सियासी किला फतह करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 2026 का विधानसभा चुनाव युद्ध के अंदाज में लड़ा। अपने पास मौजूद तमाम गोले तो उसने वहां दागे ही, केंद्र में सत्ताधारी होने के नाते शासन तंत्र से हासिल होने वाली ताकत एवं प्रभाव का भी बेहिचक उपयोग किया। अपनी खास जूझारू भावना के लिए चर्चित ममता बनर्जी को चारों तरफ से घेर लेने की ये रणनीति कामयाब रही है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की विवादास्पद प्रक्रिया से तृणमूल कांग्रेस के लिए मुकाबले का धरातल असमान हो जाने के संकेत लगातार मिल रहे थे।निर्वाचन आयोग के अन्य कदमों ने टीएमसी की राह को और भी कठिन बनाया। अन्य संवैधानिक संस्थाओं ने भी चुनाव प्रक्रिया पर उठे प्रश्नों की फिक्र नहीं की। 15 साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी नेता या पार्टी के लिए चुनावी मुकाबला वैसे भी आसान नहीं रह जाता। एंटी-इन्कबेंसी से उत्पन्न चुनौतियां उसके सामने खड़ी होती हैं। ये सारे पहलू मिलकर इस बार ममता बनर्जी पर भारी पड़े। टीएमसी की ये उम्मीद कमजोर जमीन पर खड़ी नजर आई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह 'हिंदुत्व- हिंदी' पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच एक दशक पहले ही गलत साबित हो चुकी थी। अब वहां भाजपा ने जीत की हैट-ट्रिक बनाई है। इस बार वह और बड़े बहुमत से सत्ता में लौट रही है।यह इस समझ की पुष्टि है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के नेतृत्व में उग्र हिंदुत्व और कैश ट्रांसफर के जरिए मतदाताओं को लुभाने की रणनीति वहां कामयाब बनी हुई है। इसके अलावा संभव है राज्य में हुए विवादास्पद परिसीमन का लाभ भी भाजपा को मिला हो। वैसे, इन बातों की आड़ लेकर कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों को जनता से दूर रहते हुए सियासत करने (टीएमसी अभी तक इसका अपवाद है) की अपनी कमजोरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्हें देर-सबेर यह समझना होगा कि उनका मुकाबला बुल्डोजर जैसी एक चुनाव मशीनरी से है, जो जीत की राह में किसी नैतिक बाधा से बंधी हुई नहीं है।

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली

में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल डिजिटल होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो।

इसी कारण ऑफलाइन-फर्स्ट मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें।

डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं।

स्वयं के प्रति क्रूरता तथा कठोरता श्रेष्ठ होने के प्रमुख अवयव

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है। मनुष्य को स्वयं के प्रति अत्यंत कठोर तथा क्रूर होना होगा तभी सफलता उसके सामने होगी।महात्मा गांधी ने कहा था, आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक हैउठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

कोपरा जलाशयः छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल बना पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर स्थल कोपरा जलाशय आज पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहा है। जैव विविधता के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 2026 की थीम स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव को यह जलाशय वास्तविक रूप में साकार कर रहा है। सुबह के शांत वातावरण में प्रवासी पक्षियों की मधुर आवाजें और जलाशय के आसपास आजीविका से जुड़े ग्रामीणों की गतिविधियां प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाती हैं। कोपरा जलाशय वर्षों से क्षेत्र के लोगों के लिए जल, मत्स्य पालन, कृषि और पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जल स्रोतों के संरक्षण, वृक्षारोपण, वन्यजीव सुरक्षा और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े कई अभियान प्रदेश में संचालित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव कोपरा जलाशय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है।वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जैव विविधता राज्य की अमूल्य धरोहर है और इसके संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोपरा जलाशय यह संदेश देता है कि जब शासन और समाज मिलकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तब पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित होता है।

प्रवासी पक्षियों का सुरक्षित आश्रय

कोपरा जलाशय हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। हर वर्ष विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले पक्षी यहां भोजन और विश्राम प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही यह जलाशय जलीय जीवों, मछलियों, वनस्पतियों और अनेक सूक्ष्म जीवों के लिए भी महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है। इसी विशेषता के कारण इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता मिली है।

स्वच्छता, वृक्षारोपण और बायो-फेंसिंग पर विशेष जोर

स्थानीय ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं और विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी से यहां स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पक्षी संरक्षण और बायो-फेंसिंग जैसे कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने के साथ लोगों में प्रकृति के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो रही है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार आर्द्रभूमियां प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती हैं। वे बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण, जल शुद्धिकरण और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में कोपरा जलाशय का संरक्षण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

सतत विकास का बन रहा राष्ट्रीय मॉडल

कोपरा जलाशय आज यह संदेश दे रहा है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही वैश्विक स्तर पर बड़े बदलाव की नींव बनते हैं। छत्तीसगढ़ का यह पहला रामसर स्थल आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और सामुदायिक सहभागिता का राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और इसके वैश्विक महत्व पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के नागरिकों और संरक्षण टीम की सराहना करते हुए अपना संदेश दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर स्थल की मान्यता मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। हमारी सरकार जैव विविधता संरक्षण, आर्द्रभूमि के विकास और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। कोपरा जलाशय इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जब शासन की नीतियां और समाज का संकल्प एक साथ मिलते हैं, तो स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे प्रयास भी वैश्विक स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हमारी समृद्ध प्रकृति ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का सुरक्षित भविष्य है।

मेष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से कोई बाधित कार्य संपन्न हो सकता है। आज मित्रों के साथ में मुलाकात के अवसर बनेंगे और विचारों का आदान-प्रदान भी रहेगा। जिससे कई समस्याओं का समाधान मिलने में भी आसानी होगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा कोई समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आज पारिवारिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज आप लेखन कार्य में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातों का प्रभाव दूसरों पर पड़ेगा। अगर आप कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट और इन्जीनियरिंग वालों के लिए आज सफलता भरा दिन है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बुद्धिमत्ता व होशियारी से सभी काम बेहतर तरीके से कर पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग भी व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाकर अपने अध्ययन के प्रति जागृत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। लेकिन ध्यान रखिए, सफलता हासिल करने के लिए आज आपको बहुत मेहनत की जरूरत है। आज आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

सिंह राशि: आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शांति से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। अगर आपका कोई सरकारी मामला अटका हुआ है तो आज उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। आपको सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। आज कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों और सहयोगियों का भरपूर समर्पण रहेगा। आपकी एकाग्रता और उपस्थिति माहौल को अनुशासित रखेगी। आज घर के वातावरण को अनुशासित बनाकर रखने में आपका पूरा सहयोग रहेगा। बच्चों के साथ कुछ समय बिताने से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज घर और बिजनेस दोनों जगह सामंजस्य रखेंगे और निजी कामों के लिए भी समय निकालने में सफल होंगे। पारिवारिक संबंधों में मजबूती आएगी। बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा रहेगी। आज का समय भरपूर मेहनत करने का है।

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें । माता - पिता का आशीर्वाद लेकर घर से निकलेंगे, साथ ही आज आपका कोई रुका काम बनेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए...। कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है।

जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफ़र कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।

सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

अनुभवों की जुबानी, संजीवनी की कहानी

रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा, 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर श्री गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा... ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।

जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर श्री एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया। टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था।

सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट के साथ किया ताजमहल का दीदार

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत दौरे के तीसरे दिन दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल का दीदार करने पहुंचे। उनके साथ पत्नी जेनेट डी. रूबियो, अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल और भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी थे। गोर ने ताज के सामने खिंचवाई तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें रूबियो दंपति और गैब्रियल को भी देखा जा सकता है।इन तस्वीरों के साथ गोर ने लिखा मार्को रूबियो, जेनेट डी रूबियो और रॉबर्ट गैब्रियल के साथ आइकॉनिक ताजमहल पर वापस आकर शानदार अनुभूति हुई। उन्होंने ताजमहल को भारत की असाधारण विरासत और कारीगरी का अद्भुत प्रतीक बताया और कहा कि इसकी खूबसूरती हमेशा मंत्रमुग्ध कर देती है। मार्को रूबियो चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आए हैं। दौरे की शुरुआत उन्होंने कोलकाता से की फिर दिल्ली आए जहां उनका कार्यक्रम का काफी व्यस्त रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अहम मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता काफी सफल रही। तीसरे दिन उन्होंने आगरा के बाद राजस्थान का रुख किया। पत्नी के साथ वो आमेर महल घूमने गए। यहां उन्हें राजस्थान की संस्कृति और विरासत से रूबरू कराया गया।

महंगाई को लेकर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, बोले- चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल पर 8 की मार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार जनता की जेब पर लगातार बोझ डाल रही है और महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा, महंगाई वाले मोदी ने फिर हमला किया। वे पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं ताकि आपकी जेब से चुपचाप पैसे निकलते रहें। उन्होंने दावा किया कि वह पिछले कई महीनों से देश में आने वाले आर्थिक तूफान को लेकर चेतावनी देते रहे हैं, लेकिन सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त रही। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी हमेशा की तरह चुनावों में व्यस्त थे और जैसे ही चुनाव खत्म हुए, पेट्रोल-डीजल पर ?8 की बढ़ोतरी कर दी गई। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि यह बढ़ोतरी आगे भी जारी रह सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद आम जनता पर महंगाई का बोझ डाल देती है।राहुल गांधी ने कहा, महंगाई वाले मोदी का बस यही काम है—चुनाव के दौरान वादे और बाकी समय जनता की जेब पर हमला।

पत्नी को भतीजे से हुआ प्यार, पति को करंट देकर तड़पाया; फिर जहर खिलाकर सीढ़ियों से फेंका नीचे

नई दिल्ली(ए)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों और पारिवारिक भरोसे को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मझोला थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत की जांच के दौरान पुलिस ने हत्या की ऐसी साजिश का खुलासा किया, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया।पुलिस के अनुसार मृतक पवन की हत्या कथित तौर पर उसकी पत्नी, उसके प्रेमी, पत्नी की बहन और बहन के बॉयफ्रेंड ने मिलकर की। आरोप है कि हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए पूरी वारदात को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया।जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने पहले पवन को जहर देने की कोशिश की। विरोध करने पर उसे कथित तौर पर बांधकर बेरहमी से पीटा गया और बिजली के तारों से करंट दिया गया। पुलिस का दावा है कि युवक कई घंटों तक तड़पता रहा। बाद में उसकी मौत होने पर शव को सीढ़ियों से नीचे फेंक दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या या हादसे जैसा लगे।घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। शुरुआत में परिजनों ने इसे जहर खाने और गिरने की घटना बताया, लेकिन पुलिस को घटनास्थल और शव की हालत देखकर संदेह हुआ।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई : कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी के ठिकानों पर छापामारी; संदिग्धों के घर खंगाल रही टीमें

श्रीनगर (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी कश्मीर के खिलाफ घाटी में व्यापक अभियान चलाते हुए मध्य और दक्षिण कश्मीर के कई इलाकों में छापेमारी की। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के कथित प्रयासों की जांच के तहत की गई। एनआईए की टीमों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के सहयोग से श्रीनगर के लाल बाजार और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के विभिन्न स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान शोपियां के ज़ैनापोरा स्थित मुलू चित्रगाम इलाके में एक व्यक्ति के घर की भी तलाशी ली गई।

सूत्रों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति कथित तौर पर जमात-ए-इस्लामी से जुड़ा रहा है और शोपियां जिले का अमीर-ए-जमात भी रह चुका है। बताया जा रहा है कि उसका संबंध जामिया सिराज-उल-उलूम, इमाम साहिब से भी है। इसके अलावा, शोपियां के इमाम साहिब क्षेत्र में स्थित जमात-ए-इस्लामी से संबद्ध सिराज-उल-उलूम संस्थान में भी तलाशी अभियान चलाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई एनआईए की उस जांच का हिस्सा है जिसमें जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और भारत-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए जमात-ए-इस्लामी की गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने के प्रयासों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि फरवरी 2024 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 की धारा 3(1) के तहत 'जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर' पर अगले पांच वर्षों के लिए प्रतिबंध बढ़ा दिया था।

सरकारी एजेंसियों का आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी आतंकवाद को बढ़ावा देने, अलगाववादी विचारधारा का समर्थन करने और जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को हवा देने में शामिल रही है। अंतिम समाचार मिलने तक कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी था।

मेट्रो मंडेः CM रेखा गुप्ता ने फिर किया मेट्रो-बस का सफर, नागरिकों से की विशेष अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने लगातार दूसरे सोमवार 'मेट्रो मंडे' पहल के अंतर्गत अपने आवास से दिल्ली सचिवालय तक मेट्रो और डीटीसी बस के माध्यम से यात्रा की।

इस दौरान उन्होंने राजधानी के नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईंधन संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और यातायात प्रबंधन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान का उद्देश्य नागरिकों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना तथा ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना है। मेट्रो और बस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने यात्रियों से संवाद भी किया और उनके अनुभवों को जाना। उन्होंने कहा कि यह देखकर संतोष होता है कि बड़ी संख्या में दिल्लीवासी सार्वजनिक परिवहन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। इससे न केवल लोगों को सुरक्षित, किफायती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलता है, बल्कि राजधानी में प्रदूषण और ट्रैफिक दबाव को कम करने में भी मदद मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन का उपयोग केवल व्यक्तिगत सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रहित से भी जुड़ा हुआ विषय है।

असम के विधायक गुवाहाटी, असम में 16वीं असम विधानसभा के पहले सत्र के लिए पहुंचे।

EPS को बड़ा झटका, AIADMK के 3 बागी विधायकों ने दिया इस्तीफा; थलपति विजय की पार्टी में हुए शामिल

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। अन्नाद्रमुक (AIADMK) प्रमुख ईडाप्पडी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को तगड़ा झटका देते हुए पार्टी के तीन बागी विधायकों ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा सौंपने के तुरंत बाद ये तीनों नेता सीधे टीवीके (TVK) के वरिष्ठ नेता और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री आधव अर्जुन के कक्ष में पहुंचे और औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया।

मंत्री आधव अर्जुन ने अन्नाद्रमुक के टिकट पर चुने गए तीनों विधायकों मदुरंथकम से एम. कुमारवेल, धारापुरम से सत्यभामा और पेरुंदुरई से जयकुमार को शॉल भेंट कर पार्टी में शामिल किया। इस मौके पर अर्जुन ने कहा कि अब हम सब एक परिवार के रूप में मिलकर आगे बढ़ेंगे। दरअसल, इन तीनों विधायकों ने हाल ही में हुए विश्वास मत के दौरान पार्टी व्हिप का खुला उल्लंघन करते हुए टीवीके सरकार का समर्थन

किया था, जिसके कारण उन पर अयोग्य ठहराए जाने की तलवार लटक रही थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन इस्तीफों को अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए उठाए गए एक एहतियाती कदम के रूप में देखा जा रहा है। अब संभावना जताई जा रही है कि ये तीनों नेता टीवीके के सिंबल पर उपचुनाव लड़कर फिर से विधानसभा पहुंचने की कोशिश करेंगेइस सियासी ड्रामे के बीच एआईएडीएमके के लिए थोड़ी राहत की खबर भी आई।

सोनीपत में ट्रिपल मर्डर, अवैध संबंध से रोका तो फ्लैट में घुसकर की पति-पत्नी समेत 3 की बेरहमी से हत्या

सोनीपत (आरएनएस)। हरियाणा के सोनीपत जिले के कुंडली थाना क्षेत्र में रविवार देर रात ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात

सामने आई। टीडीआई कुंडली स्थित बीपीएल फ्लैट्स में एक व्यक्ति ने पति-पत्नी समेत तीन लोगों की तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतकों की पहचान विजय और उसकी पत्नी सुनीता निवासी कोट मोहल्ला, सोनीपत तथा स्वाति निवासी गांव बडोली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों पर तेजधार हथियार और भारी वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।शुरुआती जांच में सामने आया कि पड़ोसियों ने आरोपी के अवैध संबंधों को लेकर टोका था, इस पर झगड़ा हुआ और उसने हमला कर दिया। आरोपी की पहचान ब्रह्मप्रकाश के रूप में हुई है, जो मूल रूप से झज्जर जिले के जसोर खेड़ी गांव का रहने वाला बताया जा रहा है और दिल्ली पुलिस से बर्खास्त बताया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही कुंडली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद सोनीपत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल को सील कर जांच शुरू कर दी।

सीबीएसई छात्रों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी, आंसर शीट के लिए कटे एक्स्ट्रा पैसे होंगे रिफंड

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने 12वीं कक्षा के उन छात्रों और उनके अभिभावकों को एक बहुत बड़ी राहत दी है, जो अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं (आंसर शीट) को लेकर तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहे थे। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि 21 और 22 मई 2026 को तकनीकी खामी के कारण स्कैन कॉपियों के आवेदन के दौरान जिन छात्रों के खाते से अतिरिक्त शुल्क कट गया था, वह पैसा उन्हें पूरी तरह से रिफंड कर दिया जाएगा। यह रिफंड ठीक उसी माध्यम (अकाउंट या कार्ड) में भेजा जाएगा जिससे भुगतान किया गया था। वहीं, तकनीकी गड़बड़ी की वजह से जिन छात्रों से निर्धारित शुल्क से कम राशि ली गई थी, उन्हें शेष राशि चुकाने के लिए बोर्ड की तरफ से अलग से सूचित किया जाएगा।

दोबारा आवेदन करने की नहीं होगी कोई जरूरत

इस पूरे घटनाक्रम पर स्थिति साफ करते हुए सीबीएसई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक अहम जानकारी साझा की है। बोर्ड ने बताया है कि फीस भुगतान के दौरान तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सभी प्रभावित छात्रों को उनकी जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां हर हाल में उपलब्ध

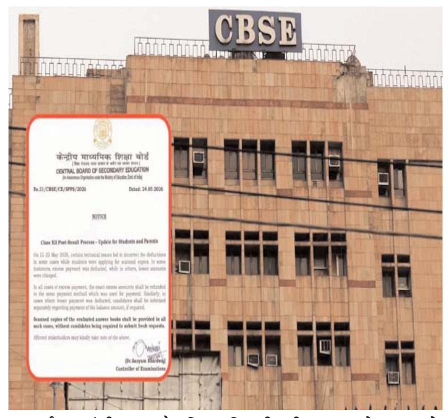

कराई जाएंगी। इसके लिए किसी भी छात्र को घबराने या पोर्टल पर कोई नया आवेदन (रिक्वेस्ट) करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं होगी। बोर्ड अपने स्तर पर इस पूरी प्रक्रिया को पूरा कर रहा है।

आखिर क्या है सीबीएसई फीस कटौती का पूरा मामला ?

दरअसल, सीबीएसई कक्षा 12वीं के कई छात्र अपनी जांची हुई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन आवेदन प्रक्रिया के पहले तीन दिनों के दौरान उन्हें भारी तकनीकी समस्याओं से जूझना पड़ा। छात्रों ने शिकायत की थी कि वेबसाइट काम नहीं कर रही है और कई मामलों में बैंक खाते से पैसे कट जाने के बावजूद उन्हें स्कैन कॉपी नहीं मिल पा रही है। कुछ छात्रों ने तो यहां तक दावा किया कि उनसे निर्धारित शुल्क से कहीं ज्यादा पैसे वसूल लिए गए। इन सभी भारी दिक्कतों को देखते हुए सीबीएसई ने छात्रों को राहत देते हुए आवेदन की आखिरी तारीख को कई बार आगे बढ़ाया और इसे 19 मई से बढ़ाकर अंतिम रूप से 24 मई कर दिया गया।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिखाई सख्ती, सीबीएसई से तलब की रिपोर्ट

छात्रों को हुई इस भारी परेशानी और सिस्टम की इस बड़ी नाकामी का केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कड़ा संज्ञान लिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई से इस पूरे मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने विशेष रूप से सर्वर के डाउन होने और पेमेंट गेटवे के फेल होने के सटीक कारणों की जानकारी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तकनीकी विफलताओं से निपटने की तैयारियों और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया का प्रबंधन करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए अपना स्पष्टीकरण जल्द से जल्द सौंपें।

कचरा डंपिंग यार्ड में खुलेआम सड़ रहे 500 से ज्यादा गायों के शव, खौफनाक मंजर देख कांप उठेगी रूह

जैसलमेर (आरएनएस)। राजस्थान के जैसलमेर जिले से एक ऐसी झकझोर देने वाली और दर्दनाक तस्वीर सामने आई है, जिसने सिस्टम और गौ संरक्षण के बड़े-बड़े दावों की पोल खोल कर रख दी है। यहां शहर के नगर परिषद क्षेत्र में स्थित एक कचरा डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक मृत गायों के सड़े हुए शव खुले आसमान के नीचे पड़े मिले हैं। इस खौफनाक मंजर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से ही पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया है। गो प्रेमियों और आम जनता ने सरकारी व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए प्रशासन पर जवाबदेही तय करने का भारी दबाव बना दिया है।

डंपिंग यार्ड में दिखा रोंगटे खड़े कर देने वाला मंजर

यह भयावह नजारा जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर बने नगर परिषद के डंपिंग यार्ड का है। रविवार को जब इस जगह का एक वीडियो सामने आया, तो उसे देखकर हर कोई सन्न रह गया। वीडियो में बड़ी संख्या में मृत गायों के शव कचरे के बीच इधर-उधर बिखरे और सड़ते हुए दिखाई दिए। वहां पहुंचे कुछ स्थानीय गो सेवकों का

कहना है कि शनिवार को जब वे मौके पर गए, तो वहां की स्थिति इतनी बदतर और बदबूदार थी कि एक पल के लिए भी वहां खड़ा रहना मुश्किल हो रहा था। यह दृश्य देखकर हर गो भक्त की रूह कांप उठी।

ठेकेदार की बड़ी लापरवाही आई सामने, प्रशासन में मचा हड़कंप

इस पूरे मामले में मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले अधिकृत हड्डी ठेकेदार की घोर लापरवाही सामने आई है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से मृत पशुओं का सही तरीके से निस्तारण नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते डंपिंग यार्ड में शवों का इतना बड़ा ढेर लग गया। वीडियो वायरल होने और लोगों का गुस्सा भड़कने के बाद प्रशासन की नींद टूटी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैसलमेर की जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने तुरंत अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। वहीं, नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।इस दर्दनाक घटना ने 'गौ माता' के सम्मान और संरक्षण पर एक नई और तीखी बहस छेड़ दी है। गो प्रेमी हुक्मदान और अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस समाज में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है, वहां ऐसी तस्वीरें आना बेहद शर्मनाक और आत्ममंथन का विषय है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि मंचों से गौ रक्षा की बड़ी-बड़ी बातें तो खूब की जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन सड़े हुए शवों के रूप में सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का स्पष्ट कहना है कि केवल खोखले नारों और घोषणाओं से गौ संरक्षण नहीं होगा।

सलमान खान हुए गिरफ्तार, लगा ये सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उत्तराखंड एसटीएफ और गोवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में देशभर में सक्रिय एक बड़े सेक्सटॉर्शन रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। दोनों एजेंसियों ने देहरादून से गैंग के कथित सरगना सलमान खान को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी पर अमीर कारोबारियों को हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपये की उगाही करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, देहरादून के माजरा क्षेत्र निवासी सलमान खान गोवा के मापुसा थाना क्षेत्र में दर्ज ब्लैकमेलिंग और सेक्सटॉर्शन के कई मामलों में वांछित था। लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी। आखिरकार एसटीएफ ने उसे नेहरू कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार कर गोवा पुलिस के हवाले कर दिया।जांच में सामने आया है कि यह गैंग बेहद सुनियोजित तरीके से काम करता था। गिरोह की महिला सदस्य सोशल मीडिया के जरिए बड़े उद्योगपतियों और संपन्न कारोबारियों से संपर्क करती थीं। दोस्ती और नजदीकियां बढ़ाने के बाद उन्हें गोवा के आलीशान विला या फाइव स्टार होटल में मिलने के लिए बुलाया जाता था।बताया जा रहा है कि पीड़ित के पहुंचने से पहले ही कमरे या विला में गुप्त कैमरे फिट कर दिए जाते थे, ताकि निजी पलों की रिकॉर्डिंग की जा सके। इसके बाद शुरू होता था ब्लैकमेलिंग का खतरनाक खेल।

प. एशिया संकट- ईरान बोला- US के साथ कई मुद्दों पर बनी सहमति, समझौते को अंतिम रूप देने की समयसीमा तय नहीं

तेहरान (ए.)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ जारी बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। लेकिन किसी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अभी कोई समय तय नहीं किया गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बघाई ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने क्या कहा?

इस्माइल बघाई ने कहा कि कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि समझौता जल्द होने वाला है। अमेरिका का राजनीतिक व्यवहार लगातार असंगत है। बघाई ने कहा कि वाशिंगटन के भीतर कुछ ही घंटों में बदलने वाले विरोधाभासी रुख से वार्ता जटिल हो जाती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में निर्णय लेने की प्रक्रिया व्यवस्थित नहीं है। उन्होंने अमेरिका में हो रहे इस्तीफों, संसद में विरोध, जनमत और अंदरूनी मतभेदों का भी जिक्र किया।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस स्थिति से कुछ बाहरी ताकतों, खासकर इस्राइली पक्ष, को प्रभाव डालने का मौका मिल रहा है।

बातचीत की समयसीमा पर उन्होंने कहा कि कोई अंतिम समयसीमा तय नहीं की गई है। ईरान का लक्ष्य अपने राष्ट्रीय हितों और अधिकारों की रक्षा करना है। अंतिम नतीजे की घोषणा तभी की जाएगी, जब समझौता पूरा हो जाएगा।साठ दिनों के रोडमैप को लेकर उन्होंने कहा कि इस दौरान कुछ मुद्दों पर चर्चा की योजना है, जिनमें परमाणु से जुड़ा मुद्दा भी शामिल है। लेकिन फिलहाल ईरान परमाणु विवरणों पर चर्चा नहीं कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने क्या कहा?

उधर, रविवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक प्रयासों में अहम प्रगति हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जल्द अच्छी खबर आ सकती है।

ट्रंप का सख्त रुख, कहा- शांति समझौते के लिए कोई जल्दी नहीं

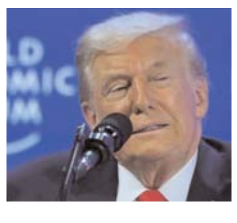

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित शांति समझौते को लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए एक बार फिर सख्त संकेत दिए हैं। उन्होंने साफ किया है कि ईरान के साथ वार्ता कर रहे अमेरिकी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि समझौते को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है। इस प्रक्रिया को पूरी सावधानी और समय लेकर आगे बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि दोनों देशों के बीच जारी गतिरोध को सही तरीके से समाप्त किया जा सके। डोनाल्ड ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इस पूरे मामले में समय और परिस्थितियां फिलहाल अमेरिका के पक्ष में हैं।

अपने बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने दृढ़ता से दोहराया कि किसी भी परिस्थिति में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने या उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने साल 2015 में तत्कालीन अमेरिकी प्रशासन द्वारा ईरान के साथ की गई पुरानी परमाणु डील की कड़े शब्दों में आलोचना की। उन्होंने उस समझौते को अब तक के सबसे खराब फैसलों में से एक बताते हुए कहा कि पूर्ववर्ती नीतियों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बढ़ावा देने का काम किया था।

फिलीपींस में निर्माणाधीन इमारत ढहने से चार की मौत, 17 लापता; बचाव कार्य जारी

मनीला (ए.) । फिलीपींस के उत्तरी पंपांगा प्रांत के एंजेल्स सिटी में एक इमारत ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि अभी भी 17 लोग लापता हैं। बचाव अभियान जारी है। स्थानीय अग्निशमन ब्यूरो के अनुसार, मलबे से तीन शव निकाले गए और एक मलेशियाई नागरिक, जो पास के एक होटल में ठहरा हुआ था, गिरते मलबे की चपेट में आकर मारा गया।

26 लोगों को बचाया गया

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर तक कम से कम 26 लोगों को बचा लिया गया था। इनमें से 24 लोग ढही हुई इमारत से और दो लोग पास के होटल से बचाए गए। इनमें से दस लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा शनिवार रात भारी बारिश और तेज हवाओं के बाद हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, एंजेल्स सिटी में शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच लगभग 44 मिमी बारिश हुई थी।

बारिश के चलते राहत और बचाव कार्यों में आ रही मुश्किलें

लोक निर्माण विभाग के सचिव विंस डिजोन ने कहा कि बचाव कार्य मुश्किल हालात में जारी है। मौके पर मलबा बहुत अस्थिर है और बिजली के खुले तार भी मौजूद हैं, जिससे बचावकर्मियों को खतरा बना हुआ है। अग्निशमन ब्यूरो की प्रवक्ता साजिली ने कहा कि इमारत ढहने के बाद बचाव कार्य बहुत चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि बचावकर्मियों की हलचल से भी मलबा हिल सकता है और नीचे फंसे लोगों को और नुकसान हो सकता है।

एफिल टॉवर को लगी जंग, रुस का एयरबेस तबाह जमीन पर तबाही का मंजर!

लंदन(ए.)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रहस्यमयी वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक व्यक्ति खुद को टाइम ट्रैवलर बता रहा है। उसका दावा है कि वह साल 2050 से आया है और उसने तीसरे

विश्व युद्ध के बाद की तबाही की दुनिया देखी है। वीडियो में वह दुनिया की ऐसी तस्वीर दिखा रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं और डरे हुए भी हैं।

यह वीडियो टिकटॉक अकाउंट से शेयर किया गया है। इस अकाउंट पर पहले भी कई रहस्यमयी और एआई से बने वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन इस बार शेयर किए गए वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। वीडियो में दावा किया गया है कि भविष्य में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है और बड़े-बड़े शहर वीरान हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो की शुरुआत पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से होती है। टाइम ट्रैवलर होने का दावा करने वाला शख्स कहता है कि वह साल 2050 में पेरिस में है। वह कैमरे में एक जंग लगा हुआ एफिल टॉवर दिखाता है। आसपास कोई इंसान दिखाई नहीं देता। सड़कें खाली हैं और जगह-जगह टूट-फूट नजर आ रही है। वीडियो में वह कहता है- कुछ बहुत बड़ा हुआ है।

मातम में बदली ईद की खुशियां, सड़क हादसे में 17 की मौत, बकरीद की छुट्टियों में जा रहे थे घर

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आज एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। खोरू कोटाय सईदबाद इलाके में एक यात्री कोच सड़क किनारे खड़ी बस से टकरा गया। इस दुर्घटना में सात अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

यात्री ईद की छुट्टियों के लिए जा रहे थे घर

पुलिस ने बताया कि यात्री कोच में खराबी आ गई थी। इसके बाद वह सड़क किनारे खड़ी बस से टकरा गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हादसा खोरू कोटाय सईदबाद इलाके में हुआ। घटना के बाद मोटरवे पुलिस, रेस्क्यू 1122 के अधिकारी और स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों और मृतकों के शवों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल और बचाव अधिकारियों के अनुसार, मृतकों और घायलों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि, उन्होंने बताया कि अधिकांश पीड़ित दीर और बाजौर के रहने वाले थे। ये सभी ईद की छुट्टियों के लिए अपने घर जा रहे थे।

तकनीकी खराबी के कारण कोच अनियंत्रित

यात्री कोच स्वात की ओर जा रहा था जब यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण कोच अनियंत्रित हो गया। बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान की। मृतकों के शवों को भी अस्पताल पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने पीड़ितों की पहचान के प्रयास जारी रखे हैं।

प्रांत में लगातार सड़क हादसे

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हाल के महीनों में कई सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। दस मई को स्वात के चारबाग तहसील में एक यात्री वैन खाई में गिर गई थी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई थी और दस अन्य घायल हुए थे। छह अप्रैल को पेशावर में एक यात्री वैन के दुर्घटनाग्रस्त होने से नौ लोग घायल हुए थे। 31 मार्च को हजारा मोटरवे के पास एक मोटरवे पुलिस निरीक्षक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई थी।

बांग्लादेश में भीषण सड़क हादसा : लोहे की छड़ों से लदा ट्रक पलटा, 15 लोगों की मौत; 10 घायल

ढाका (ए.)। बांग्लादेश में सोमवार तड़के एक प्रमुख राजमार्ग पर लोहे की छड़ों से लदा एक ट्रक पलट जाने से 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ, जब लोग ईद-उल-अजहा की 10 दिवसीय छुट्टियों के लिए अपने गृहनगरों की ओर जा रहे थे।

स्थानीय अग्निशमन केंद्र के प्रभारी अताउर रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि यह दुर्घटना जमुना पुल के पूर्वी हिस्से में हुई, जो बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से को मध्य भाग से जोड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि घायलों को आसपास के इलाकों के लोगों की मदद से स्थानीय स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में ले जाया गया।

फीचर

जन्मदिन मुबारक हो मेरी लाइफलाइन : मौनी रॉय

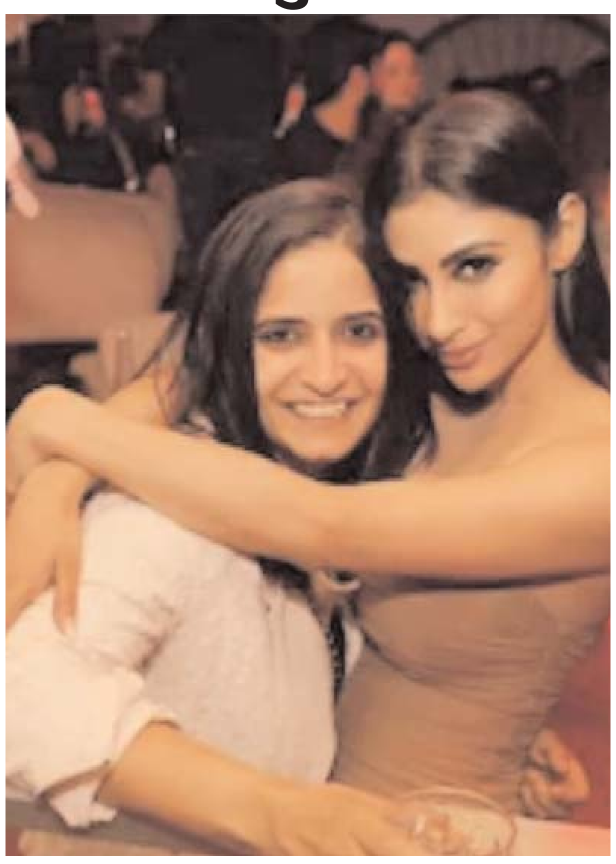

मुंबई (ए.)। अपनी करीबी मित्र त्रिशा गोकुलदास के जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। शेयर की गई तस्वीरों में दोनों दोस्तों के साथ बिताए गए खास पलों की झलक देखने को मिली। तस्वीरों में उनकी यात्राओं और मस्ती भरे लम्हों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

मौनी रॉय ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो मेरी लाइफलाइन। तुम्हारे बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकती। हमेशा मेरे साथ रहने और मेरा सहारा बनने के लिए धन्यवाद। भगवान करे तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों और प्यार से भरी रहे।" अभिनेत्री के इस पोस्ट पर प्रशंसक लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और त्रिशा गोकुलदास को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। मौनी रॉय टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से की थी। हालांकि, उन्हें असली पहचान टीवी शो देवों के देव... महादेव में 'सती' के किरदार से मिली। इसके बाद नागिन में 'शिवान्या' की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता हासिल की। अभिनेत्री कई रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह जरा नच के दिखा और झलक दिखला जा जैसे डांस रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं।

छोटे पर्दे पर सफलता हासिल करने के बाद मौनी ने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्म गोल्ड से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया था और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर नामांकन भी मिला था। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय जल्द ही फिल्म द वाइव्स में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह एक ड्रामा फिल्म है, जिसमें बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की जिंदगी, उनके संघर्ष, रहस्य और ग्लैमर के पीछे छिपी सच्चाइयों को दिखाया जाएगा।

पूजा भट्ट पुरानी तस्वीर शेयर कर खोई यादों में, हुई भावुक

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के साथ अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए अभिनेत्री पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर खास तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों को मशहूर फोटोग्राफर गौतम राजाध्यक्ष ने कैमरे में कैद किया था। तस्वीरों में पूजा भट्ट और आमिर खान सफेद कपड़ों में बेहद सहज अंदाज में पोज देते नजर आ रहे हैं।

फोटोशूट की सादगी और दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। तस्वीरें साझा करते हुए पूजा भट्ट ने लिखा कि किसी दिन वह इन अचानक खींची गई तस्वीरों के पीछे की पूरी कहानी जरूर बताएंगी। उन्होंने बताया कि यह फोटोशूट गौतम राजाध्यक्ष के ह्यूज रोड स्थित घर की बालकनी में किया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी उस कहानी को साझा करने का समय नहीं आया है और लोगों को थोड़ा इंतजार करना होगा। पूजा भट्ट ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि वह पहले आमिर खान की यादें ताजा करवाना चाहती हैं और कई साल पहले किए गए एक वादे को निभाते हुए सही समय आने पर पूरी कहानी साझा करेंगी। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस लगातार तस्वीरों और दोनों कलाकारों की पुरानी फिल्मों को याद कर रहे हैं। गौरतलब है कि पूजा भट्ट और आमिर खान ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। दोनों की जोड़ी को खास तौर पर फिल्म दिल है कि मानता नहीं में काफी पसंद किया गया था।

साल 1991 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट ने किया था, जबकि इसका निर्माण गुलशन कुमार ने किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और पूजा भट्ट के करियर की सबसे सफल फिल्मों

में गिनी जाती है। इसी फिल्म के जरिए उन्होंने मुख्यधारा की अभिनेत्री के तौर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई थी। इसके अलावा दोनों कलाकार पहला नशा में भी साथ नजर आए थे। साल 1993 में रिलीज हुई इस मिस्ट्री-थ्रिलर फिल्म का निर्देशन आशुतोष गोवारिकर ने किया था और यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म थी। फिल्म में दीपक तिजोरी, रवीना टंडन और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म की खास बात यह थी कि इसमें पहली बार आमिर खान और शाहरुख खान एक साथ स्क्रीन साझा करते नजर आए थे।

सिनेमा को भाषा या क्षेत्र में बांटना सही नहीं : बोमन ईरानी

मुंबई (ए.)। भारतीय सिनेमा में लंबे समय से चल रही साउथ बनाम बॉलीवुड की बहस पर अभिनेता बोमन ईरानी खुलकर अपनी राय रखी। अभिनेता ने स्पष्ट कहा कि अब वह उत्तर भारत और दक्षिण भारत के सिनेमा के बीच होने वाली तुलना और बहस से पूरी तरह थक चुके हैं।

अभिनेता बोमन ईरानी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बातचीत के दौरान कहा कि आखिरकार सभी भारतीय हैं और सिनेमा को भाषा या क्षेत्र के आधार पर बांटना सही नहीं है। उनके मुताबिक, भारत की खूबसूरती इसकी विविधता में है, जहां हर कुछ दूरी पर भाषा और बोलने का अंदाज बदल जाता है, लेकिन इससे लोगों की पहचान या भावनाएं नहीं बदलतीं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली का व्यक्ति अलग तरह की हिंदी बोल सकता है और कोई दूसरा व्यक्ति किसी अन्य शैली में, लेकिन सिनेमा और इंसानियत हर जगह एक जैसी रहती है। बोमन के अनुसार, देश से प्यार करने वाले लोग हर क्षेत्र में मौजूद हैं और यही भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत है। अभिनेता ने कहा कि आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से कहीं आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनने वाली फिल्में न सिर्फ देशभर में पसंद की जा रही हैं, बल्कि दुनिया भर में भी सराही जा रही हैं। उन्होंने अपनी फिल्म 'पेड्डी' का उदाहरण देते हुए कहा कि हैदराबाद में बनी फिल्म के प्रचार के लिए कलाकार मुंबई आ रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय सिनेमा अब एक साझा मंच बन चुका है।

बोमन ईरानी ने अभिनय की बारीकियों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि किसी भी अभिनेता के लिए केवल संवाद बोलना काफी नहीं होता, बल्कि उसे संवाद के पीछे छिपे भाव और अर्थ को समझना भी जरूरी होता है। उनके मुताबिक, चाहे भाषा हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, कलाकार को पहले उस भावना को महसूस करना चाहिए और फिर उसे दर्शकों तक पहुंचाना चाहिए।

अकेले रहना आत्मविश्वास की पहचान है : रिद्धि डोगरा

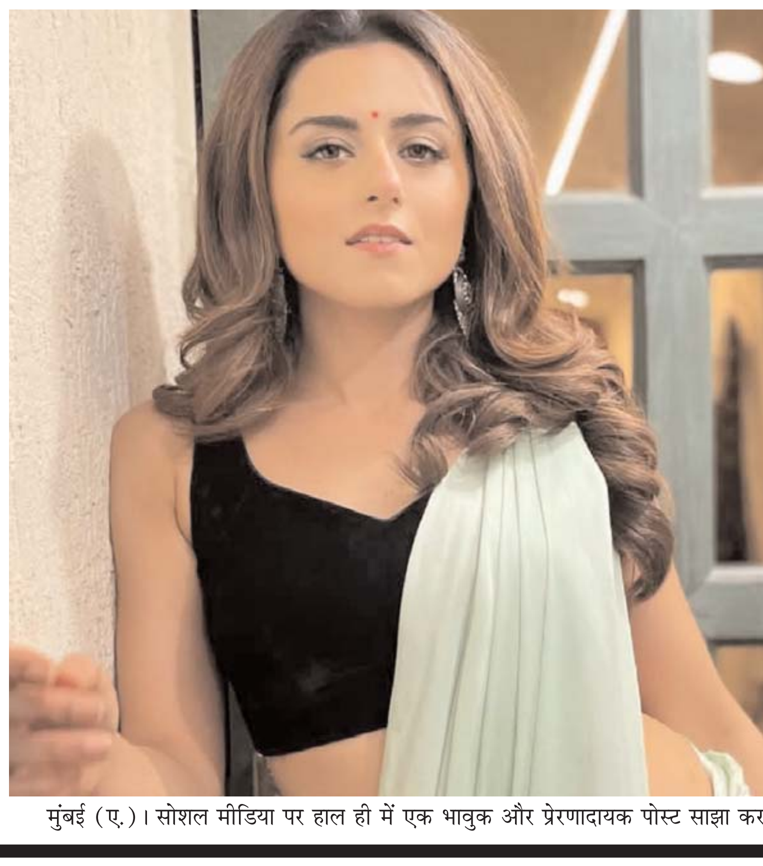

मुंबई (ए.)। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक भावुक और प्रेरणादायक पोस्ट साझा कर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने अकेले रहने को लेकर अपनी सोच जाहिर की है। अभिनेत्री ने कहा कि अकेले रहना किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और मानसिक मजबूती की पहचान है। उनकी इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और प्रशंसक लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

रिद्धि डोगरा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाल रंग की साड़ी में एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक कैफे में अकेले बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लंबा संदेश लिखते हुए कहा कि जब इंसान अकेले कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ समय बिताने से डरना छोड़ देता है, तब समाज उसे अलग नजर से देखने लगता है। अभिनेत्री के अनुसार ऐसा इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति समाज की पारंपरिक सोच से हटकर अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना शुरू कर देता है। उन्होंने आगे लिखा कि जब कोई खुद के साथ खुश रहना सीख जाता है, तब वह दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से मुक्त हो जाता है। ऐसे लोग अपनी जिंदगी दूसरों की स्वीकृति पाने के लिए नहीं जीते, बल्कि अपनी खुशी और मानसिक शांति को प्राथमिकता देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस दौर में इंसान लोगों को पसंद जरूर करता है, लेकिन उन्हें अपने जीवन में जबरदस्ती बांधकर रखने की कोशिश नहीं करता। जरूरत पड़ने पर वह लोगों को जाने देना भी सीख जाता है, जबकि उसके मन में उनके लिए सम्मान और प्रेम बना रहता है।

रिद्धि डोगरा ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि अधिकांश लोग इस तरह की सोच को आसानी से समझ नहीं पाते, इसलिए उन्हें यह समझने में मुश्किल होती है कि ऐसे व्यक्ति के साथ किस तरह व्यवहार किया जाए। उन्होंने लिखा कि जिंदगी हर किसी को कभी न कभी अकेलापन जरूर देती है, लेकिन असली ताकत तब होती है जब इंसान उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लेता है और उसी के साथ अपनी छोटी-सी खूबसूरत दुनिया तैयार कर लेता है। अभिनेत्री की इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग प्रेरणादायक बता रहे हैं। कई प्रशंसकों ने उनकी सोच की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी हो गई है।

विराट कोहली से तकरार के बाद ट्रेविस हेड के परिवार को मिली गालियां, पत्नी जेसिका का दर्द छलका

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड ने दावा किया है कि उन्हें और उनके पति को एक बार फिर भारतीय क्रिकेट फैंस की अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। जेसिका का दावा है कि न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके दोस्तों और फैमिली मेंबर्स को भी इनबॉक्स में नफरतभरे शब्दों और गालीगलौज वाले संदेशों से जूझना पड़ रहा है। ये सब आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के मैच के बाद हुआ जिसमें विराट कोहली और ट्रेविस हेड ने एक दूसरे पर हल्के-फुल्के अंदाज में छींटाकशी की थी।

ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका ने ऑस्ट्रेलिया के मीडिया आउटलेट द एडवर्टाइजर से कहा, 'वर्ल्ड कप के बाद जिस तरह के ऑनलाइन एब्यूज का सामना करना पड़ा था, ये उसी के दोहराव जैसा लग रहा। मैं जगी तो सोशल मीडिया पर ये सब हो रहा था.हम तो ठीक हैं लेकिन वे हमारे दोस्तों और परिजनों पर भी हमला कर रहे हैं।'सोशल मीडिया पर यूजर्स का एक तबका हेड और उनकी पत्नी को लेकर अभद्र टिप्पणियां कर रहा है। इनमें से कई ने तीन साल पहले हुई उनकी शादी की तस्वीरों पर टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ उनके परिजनों को भी लपेट रहे हैं और जहरीली टिप्पणियां कर रहे हैं। यहां तक कि धमकियां तक दे रहे हैं।ऐसा पहली बार नहीं है जब जेसिका को भारतीय क्रिकेट फैंस के एक तबके ने निशाना बनाया है। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल और उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भी कुछ ऐसा ही हुआ था। कथित तौर पर उन्हें रेप और अपहरण की धमकी दी गई थी। 2024 में जब बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था तब भी जेसिका को ऑनलाइन एब्यूज का सामना करना पड़ा था।

नोवाक जोकोविच ने कोर्ट पर उतरते ही रचा इतिहास, रोजर फेडरर का टूट गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, (आरएनएस)। टेनिस का बड़ा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 24 मई को पहले राउंड के मैचों के साथ शुरू हो गया. सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पहले राउंड में अपना पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की. उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एम्पेटशी पेरिकार्ड के खिलाफ 5-7, 7-5, 6-1 और 6-4 से शानदार जीत दर्ज की।

जोकोविच 2016, 2021 और 2023 में फ्रेंच ओपन जीतने के बाद अब अपना चौथा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने का लक्ष्य बना रहे हैं. गौरतलब है कि 2023 यूएस ओपन के बाद से उन्होंने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है, लेकिन वे सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

जोकोविच ने मैच जीतने से पहले ही कोर्ट पर उतरकर इतिहास रच दिया था. 39 साल के इस खिलाड़ी ने रोजर फेडरर का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया. 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 82वीं बार हिस्सा ले रहे है।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टीनएज बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया

मुंबई (आरएनएस)। वैभव सूर्यवंशी ने रविवार को इतिहास रच दिया। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव किसी भी टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टीनएजर बन गए हैं।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 15 साल के इस बल्लेबाज को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए सिर्फ 2 रनों की जरूरत थी। उन्होंने पारी के दूसरे ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। विल जैक्स की गेंद पर दूसरा रन लेते ही उन्होंने आधिकारिक तौर पर टी20 टूर्नामेंट में किसी टीनएजर द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रनों का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 14 मैचों में 483 रन बनाए हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में खुद को सबसे बेहतरीन युवा प्रतिभाओं में से एक के तौर पर स्थापित किया है। बिहार के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सीजन में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। 15 वर्ष की उम्र होने के बावजूद उन्होंने तेज और स्पिन, दोनों तरह की गेंदबाजी के खिलाफ निडर होकर बल्लेबाजी की है और परिपक्वता दिखाई है। टीनएज बल्लेबाजों का पिछला रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल के नाम था। उन्होंने 2019-20 के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक क्रिकेट टीम के लिए 19 साल की उम्र में 580 रन बनाए थे।

कोलकाता नाइट राइडर्स को लगा बड़ा झटका, 18 करोड़ का खिलाड़ी केवल 8 गेंद फेंककर टूर्नामेंट से हुआ बाहर

नईदिल्ली, (आरएनएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आईपीएल 2026 प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है. टीम के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना हैम्रस्ट्रिंग चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

पथिराना को केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में साइन किया था, लेकिन वो इस टूर्नामेंट में केवल 8 गेंद ही फेंक सके. इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी इंजरी रही है. जिसके चलते वो कई मैच बाद टीम से जुड़े और जब इस सीजन वो अपना पहला मैच खेले तो केवल 8 गेंद फेंकने के बाद दोबारा चोटिल होकर पवेलियन लौट गए. उसके बाद वो अपनी चोट से उबर नहीं सके।

केकेआर ने चोटिल पथिराना की जगह 25 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज लुवनित सिसोदिया को 30 लाख रुपये में टीम में चुना है. इससे पहले वो आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और केकेआर का हिस्सा रह चुके हैं. घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले सिसोदिया ने 15 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 124 रन बनाए हैं।

सिसोदिया के टीम में शामिल होने से केकेआर की टीम की गहराई और मजबूत हुई है, खासकर तब जब अंगकृष रघुवंशी सिर में चोट और उंगली में फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।

तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बहुत कम हैं. 13 मैचों में 13 पॉइंट्स और 0.011 के नेट रन रेट के साथ, वे पंजाब किंग्स से पीछे हैं. पंजाब किंग्स ने शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हराकर अपना एनआरआर बढ़ाकर 0.309 कर लिया था।

केकेआर के लिए समीकरण सीधा है, लेकिन मुश्किल भी. उन्हें अपने आखिरी लीग मैच में न सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स को हराना होगा, बल्कि नेट रन रेट के मामले में पीबीकेएस से आगे निकलने के लिए उन्हें बड़े अंतर से जीत भी हासिल करनी होगी. लेकिन अगर उससे पहले राजस्थान मुंबई को हरा देता है तो फिर केकेआर और पंजाब दोनों टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई (ए.)। मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और

वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे।

सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों।

आईपीएल 2026 प्लेऑफ की जंगः चार टीमें - वन ड्रीम, देखें प्लेऑफ मैचों का पूरा शेड्यूल

नईदिल्ली,(ए.) इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीमों को लेकर अब पूरी तस्वीर साफ हो गई है. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं. खास बात ये है कि ये चारों टीमें अब तक एक-एक बार आईपीएल टाइटल अपने नाम कर चुकी है. इस बार जो भी टीम फाइनल मैच जीतेगी वो दूसरी बार चैंपियन बन जाएगी.

अंक तालिका में टॉप-3 के पॉइंट्स 18-18 हैं. लेकिन बेहतर नेट रन रेट की वजह से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर सबसे ऊपर पहले नंबर पर है, उसके बाद गुजरात दूसरे और हैदराबाद तीसरे स्थान पर है. वहीं राजस्थान 16 अंको के साथ चौथे स्थान पर है. इसके अलावा पंजाब किंग्स 15 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स 14 अंक हासिल करके छठे स्थान पर पहुंच गई. वहीं केकेआर 13 पॉइंट्स के साथ सातवें नंबर पर रहकर अपने अभियान को समाप्त किया. चेन्नई सुपर किंग्स 12 अंको के साथ 8वें, मुंबई और लखनऊ 8-8 पॉइंट्स के साथ 9वें और 10वें नंबर पर रहीं.आईपीएल 2026 के लीग मैच खत्म होने के बाद 26 मई से प्लेऑफ की जंग शुरू हो जाएगी, जिसमें फाइनल समेत कुल 4 मैच खेले जाएंगे. आइए जानते हैं कि ये मैच कब और कहां खेले जाएंगे

टेबल टॉपर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटन्स क्वालीफायर-1 में एक-दूसरे का सामना करेंगी. इस मैच की विजेता टीम सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी. इसीलिए दोनों टीमें इस मैच को बहुत अहम मान रही हैं. वे इस मैच को जीतकर सबसे पहले फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की पूरी कोशिश करेंगी. लेकिन हारने वाली टीम को एक और मौका मिलेगा. यह अहम मैच मंगलवार (26 मई) को धर्मशाला में खेला जाएगा. शाम 7 बजे टॉस होगा और 7:30 बजे मैच शुरू होगा.सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स, जो पॉइंट्स टेबल में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं, एलिमिनेटर मैच में एक-दूसरे का सामना करेंगे, लेकिन, यहां हारने वाली टीम को दूसरा मौका नहीं मिलेगा वो सीधे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी. इसीलिए ये मैच भी दोनों टीमों के लिए काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है. जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में जाएगी. यह मैच बुधवार (27 मई) को चंडीगढ़ में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा.

क्वालीफायर-1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर जीतने वाली टीम क्वालीफायर-2 में एक-दूसरे का सामना करेंगी. यहां जीतने वाली टीम खिताबी जंग के लिए क्वालीफाई कर जाएगी. उसके बाद, फाइनल जीतने वाली टीम चैंपियन बनेगी. इस हिसाब से, तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को चैंपियन बनने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होंगे. क्वालीफायर-2 मैच 29 मई (शुक्रवार) को चंडीगढ़ में होगा, और फाइनल मैच 31 मई (रविवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा.

इस बीच, इस सीजन के लीग मैचों की तरह ही, प्लेऑफ के मैच भी स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनलों पर लाइव देखे जा सकते हैं. इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो स्टार पर भी उपलब्ध होगी. प्लेऑफ के मैच भारतीय समय के अनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे. जबकि टॉस मैच शुरू होने से आधा घंटा पहले 7 बजे होगा।

मुंबई ने हारकर पंजाब-कोलकाता को टूर्नामेंट से किया बाहर, राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचने वाली बनी चौथी टीम

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का प्लेऑफ का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है. उन्होंने अपने आखिरी लीग मैच में मुंबई इंडियंस को उन्हीं के घर में 30 रनों से हरा दिया है. इसके साथ पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई.

वानखेड़े में खेले गए मैच में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 208 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 175 रन ही बना सकी।

राजस्थान की तरफ से जायसवाल (27), जुरेल (38), शानाका (29) और जोफ्रा आर्चर ने (32) रनों का योगदान दिया. वहीं गेंदबाजी में जोफ्रा सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट हासिल किए. इसके अलावा बर्गर, शर्मा और पंजा को 2-2 विकेट मिले।

वहीं मुंबई की तरफ से सूर्यकुमार यादव ने सबसे ज्यादा 60 रनों की पारी खेली. इसके अलावा विल जैक्स 33 और कप्तान पांड्या ने 34 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके. गेंदबाजी में दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि जैक्स, गजनफर और बॉश को एक-एक विकेट मिला।

छत्तीसगढ़ समाचार

खिलाड़ी बुक पर बिलासपुर पुलिस का बड़ा प्रहार, ऑनलाइन सट्टा गैंग से 22 लाख जब्त

बिलासपुर (आरएनएस)। मोबाइल की स्क्रीन पर चल रहा था करोड़ों के खेल का काला धंधा, लेकिन बिलासपुर पुलिस की रेड ने खिलाड़ी बुक के पूरे नेटवर्क को हिला दिया। मंगला इलाके में ऑनलाइन सट्टे का अड्डा बनाकर अलग-अलग खेलों पर दांव लगवा रहे सटोरियों को सिविल लाइन पुलिस ने दबोच लिया। कार्रवाई इतनी तगड़ी रही कि मौके से 13 लाख 48 हजार रुपये नगद, 27 एटीएम कार्ड, 5 मोबाइल फोन, एक टाटा कार और स्कूटी समेत कुल 22 लाख 63 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि सट्टे की रकम अलग-अलग खातों और माध्यमों से आगे पहुंचाई जा रही थी। मामले में गिरफ्तार आरोपी संतोष जसवानी पिता स्वर्गीय हरिलाल जसवानी उम्र 34 वर्ष निवासी हेमुनगर तोरवा हाल मुकाम रोमन हाईट्स गंगानगर फेस-02 मंगला थाना सिविल लाइन बिलासपुर, करन श्रीवास पिता देवी प्रसाद श्रीवास उम्र 20 वर्ष निवासी पानी टंकी के पास नयापारा सिरगिट्टी बिलासपुर, आशीष जसवानी पिता अमेश उम्र 20 वर्ष निवासी बी.आर. हॉस्पिटल के पास बिलासपुर तथा एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एचडीएफसी बैंक के पास आरोपी मोबाइल फोन के जरिए खिलाड़ी बुक नामक ऑनलाइन पैनल से सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस ने घेराबंदी कर रेड मारी और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी संतोष जसवानी सट्टे की रकम आशीष जसवानी के माध्यम से आगे पहुंचा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी, मोबाइल, एटीएम कार्ड और वाहन जब्त कर धारा 7(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 112 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। वहीं फरार सटोरिये रोहित पंजवानी, सागर चेतवानी और राज चेतानी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर लगातार दबिश दी जा रही है। बहरहाल, बिलासपुर पुलिस का साफसंदेश है कि ऑनलाइन सट्टे की दुनिया में अब हर डिजिटल दांव पुलिस की रडार पर है।

भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष पहल

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत प्रदान करने हेतु प्रमुख स्टेशनों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम प्रभावी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव एवं गोंदिया स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर स्थापित मिस्टिंग सिस्टम के माध्यम से सूक्ष्म जल फुहारों का छिड़काव किया जा रहा है। इस तकनीक से प्लेटफार्मों के आसपास के वातावरण के तापमान में कमी आती है, जिससे ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को गर्मी एवं उमस से काफी राहत मिलती है।विशेष रूप से दोपहर के समय, जब तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब यह व्यवस्था यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। प्लेटफार्मों पर लगातार संचालित हो रहे जल फुहारों से वातावरण अपेक्षाकृत शीतल बना रहता है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक अनुभव प्राप्त हो रहा है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गर्मी के मौसम में इस प्रकार की यात्री हितैषी व्यवस्थाओं को निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा अनुभव उपलब्ध कराया जा सके।

भोरमदेव मंदिर के इतिहास की झलक दिखे संग्रहालय में - विजय शर्मा

- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण का किया निरीक्षण, बैठक लेकर की प्रगति की गहन समीक्षा

- उप मुख्यमंत्री ने परियोजना क्षेत्र में लैंडस्केपिंग के अनुसार छायादार वृक्षारोपण के दिये निर्देश

रायपुर (ए)। स्वदेश दर्शन योजना के तहत भोरमदेव क्षेत्र में चल रहे 146 करोड़ रुपए के भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव स्थित सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर से पहुंचे पर्यटन विभाग के एम डी विवेक आचार्य भी मौजूद रहे। बैठक के पहले उप मुख्यमंत्री शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, निर्माण एजेंसीज के इंजिनियर्स और ठेकेदारों के साथ पूरे प्रोजेक्ट एरिया का भ्रमण कर चल रहे कार्यों का विस्तार से मुआयना किया। जिसके पश्चात उन्होंने बैठक लेकर परियोजना के हर हिस्से पर चल रहे काम और आगे की कार्ययोजना की बारी-बारी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मंदिर परिसर, प्रवेश द्वार, संग्रहालय, पर्यटक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों के प्रोजेक्ट प्लान के अनुसार बेस वर्क, परिसर की लैंडस्केपिंग व वृक्षारोपण, सरोवर के सौंदर्यीकरण जैसे बिंदुओं पर मैराथन समीक्षा हुई।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना आने वाले कई सालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है, इसलिए हर कार्य मजबूत, टिकाऊ और मानक अनुसार होना चाहिए। उन्होंने सख्त और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और इसके लिए पर्याप्त मशीनरी और मानव संसाधन बढ़ाया जाए। किसी भी स्थिति में कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य कोई समस्या आती है तो उसकी जानकारी तुरंत दी जाए, आवश्यक काम प्रभावित नहीं होना चाहिए।समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने हर सोमवार होने वाली प्रगति मॉनिटरिंग की जानकारी ली और अब तक हुए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से फील्ड में मौजूद रहें और निर्माण कार्य की लगातार निगरानी करें। उन्होंने पर्यटन विभाग के इंजीनियरों को भी निर्देशित किया कि वे निर्माण एजेंसियों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएं ताकि कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों बनी रहे। बैठक के दौरान मंदिर परिसर, सरोवर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ तथा सरोदा डैम से जुड़े निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई और उनकी प्रगति पर चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर के प्रवेश द्वार, खंभों और दीवारों में फणी नागवंशी स्थापत्य शैली की स्पष्ट झलक दिखाई देनी चाहिए ताकि यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति से जुड़ सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि द्वार पर स्थापित होने वाला नंदी प्रतिमा विशाल और आकर्षक हो जिससे परिसर का भव्य स्वरूप और अधिक प्रभावी दिखे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने आदिवासी संग्रहालय के विकास और विस्तार पर भी जोर दिया और कहा कि भोरमदेव क्षेत्र की ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं को संग्रहालय में प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही मंदिर निर्माण की पूरी कथा और इतिहास को भी वहां दर्शाया जाए ताकि पर्यटकों को जानकारी मिल सके।

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सौजन्य भेंट।

फेसबुक वाले प्रेमी संग रची मौत की साजिश, पति को बिलासपुर बुलाकर उतारा मौत के घाट

बिलासपुर, (आरएनएस)। बिलासपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। झारखंड की रहने वाली एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सिरगिट्टी रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। कई दिनों बाद जब झारखंड पुलिस महिला को लेकर बिलासपुर पहुंची, तब सड़ी-गली लाश बरामद हुई।

पुलिस के मुताबिक, झारखंड के सिमडेगा निवासी पूनम लोमगा की चार साल पहले फेसबुक के जरिए सुगड़ टोपनो से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। कुछ समय पहले पूनम अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ भाग गई थी, लेकिन 15 दिन बाद वापस घर लौट आई। घर लौटने के बाद उसने प्रेमी संग मिलकर पति विनोद लोमगा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।योजना के तहत प्रेमी सुगड़ टोपनो अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर पहुंचा और विनोद को फोन कर 10 हजार रुपए देने तथा पत्नी को छोड़ देने का झांसा दिया। विनोद पत्नी पूनम के साथ 19 मई को बिलासपुर के सिरगिट्टी पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सभी लोग रेलवे ट्रैक किनारे सुनसान इलाके में पहुंचे, जहां पहले विनोद के साथ मारपीट की गई।

नौपता बढ़ाएगी परेशानी, भीषण गर्मी के बीच आने वाले चार दिनों में बारिश और तेज हवाओं से जल्द मिलेगी राहत

रायपुर, (आरएनएस)। प्रदेश में सोमवार से नौपता की शुरुआत हो रही है, जिसके चलते रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में गर्मी और बढ़नेकी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो हिस्सों में ग्रीष्म लहर चल सकती है। राहत की बात यह कि इसके बाद अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के संकेत मिले हैं। रायपुर का अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि माना एयरपोर्ट में पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया।

बारिश और तेज हवाओं की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली गर्म और शुष्क हवाओं के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। दो से तीन दिनों बाद मौसम प्रणाली में बदलाव होने की संभावना है। इसके चलते कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने एक-दो स्थानों पर वज्रपात की चेतावनी भी जारी की है।गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में रोजाना 80 से 100 मरीज हीट स्ट्रोक जैसे लक्षणों के साथ पहुंच रहे हैं। वहीं जिला अस्पताल पांडरी में भी 50 से 60 मरीज गर्मी से जुड़ी समस्याओं का इलाज कराने आ रहे हैं। हमर अस्पताल और हमर क्लीनिकों में भी मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। छत्तीसगढ़ में 25 मई का मौसम: कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है।

बिजली के लिए कलेक्ट्रेट में किसानों ने बोला हल्ला 72 घंटे में बिजली कटौती बंद नहीं हुई तो चक्का जाम

करणी सेना युवा शक्ति प्रदेशध्यक्ष ने दिया अल्टीमेटम

सीहोर (निप्र)। अघोषित लोड सेंडिंग बिजली कटौती को बंद कराने की मांग को लेकर सोमवार को करणी सेना युवा शक्ति प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह राजपूत के नेतृत्व में अलाहा खेडी, ग्राम मोगरा राम, हसनाबाद जहांगीरपुर, नयापुरा, धबोटी, धामनखेड़ा खामलिया, पचामा, थूना सहित आसपास के एक दर्जन गांवो के किसानों ने कलेक्ट्रेट में जोरदार हल्ला बोल प्रदर्शन किया। जिले में भीषण गर्मी के बीच दो से तीन बार बिजली कटौती की जा रही है जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। छोटे बच्चे बुजुर्ग माताएं बहने और बीमार व्यक्ति रात भर गर्मी में तड़पने के लिए मजबूर हो रहे हैं। हजारों छात्र छात्राएं बिजली नहीं होने के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। पढ़ाई नहीं होने के कारण बच्चों का भविष्य प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है। किसान भाइयों की सिंचाई व्यवस्था एवं ग्रामीण क्षेत्र की पीने के

पानी की आपूर्ति पानी की मोटर नहीं चलने के कारण ठप हो गई है।

प्रदेशध्यक्ष कुलदीप राजपूत ने कहा कि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर के ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि के समय अनावश्यक लाइट कटौती की जा रही है।

विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कनिष्ठ यंत्री से संपर्क करते है तो लोड सीटिंग का कहकर बिजली कटौती से पल्ला झाड़ लेते हैं। अनावश्यक बिजली कटौती से भीषण गर्मी में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाऐं, एवं बीमार लोग बहुत परेशान है, रात्रि में बिजली कटौती की वजह से ग्रामीण क्षेत्रो में चोरी की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही है। अंधेरे की वजह से ग्रामीण क्षेत्रो में सांप, बिच्छू आदि जहरीले जीव-जंतु का भय बना हुआ है। लगातार रात्रि में चार

से पांच घंटे लाइट कटौती हो रही है और दिन के समय में भी मेंटेनेंस के नाम पर कटौती हो रही है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से विष्णु सरपंच योगेश मेवाड़ा, करण सिंह चौहान नरेंद्र सिंह, रवि रजपूत, अजय मेवाड़ा बड़ी सख्या में ग्रामीण किसान सम्मिलित रहे।

विवाह के 48 दिन बाद संदिग्ध मौत, दहेज के लालच में फिर गई एक बेटी की जान

भैरुंदा,(संजय कलमोर)। ग्राम खरसानिया में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने और गला दबाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार ग्राम खरसानिया निवासी दीपिका, पिता द्वारका प्रसाद धावरे,का विवाह 7 अप्रैल को टिमरनी निवासी दुर्गेश, पिता गंगाचरण दामले, के साथ सामाजिक रीति-रिवाज और पारिवारिक सहमति से धूमधाम से हुआ था। विवाह को अभी मात्र 48 दिन ही हुए थे। दीपिका की मौत की खबर ने दोनों परिवारों सहित पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही दीपिका को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि सास, ससुर, पति और ननद ने मिलकर दीपिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मायके पक्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है। वहीं ससुराल पक्ष का कहना है कि दीपिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल टिमरनी अस्पताललेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मामले को लेकर टीआई मुकेश गौर ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत का वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार मृतका का अंतिम संस्कार ग्राम पंचायत खरसानिया से नीलकंठ घाट पर किया गया। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

कॉलेज की प्रवेश प्रक्रिया का मार्गदर्शन देने 26 मई को स्कूलों में लगेंगे शिविर

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत सीहोर के पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस द्वारा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए 26 मई को प्रातः 10:00 बजे से सीहोर के मंडी स्थित शासकीय संदीपनी स्कूल में प्रवेश जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य डॉ. रोहिताशव कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉलेज की शिक्षा, प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न पाठ्यक्रमों तथा शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करना है। इसके साथ ही जिले की सभी तहसीलों के कॉलेजों को भी निर्धारित स्कूलों में शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद भोपाल में 31 मई को

गौ माता राज्य माता का सम्मान देने के साथ संरक्षण मिले

सीहोर (निप्र)। आगामी 31 मई को राजधानी भोपाल में होने वाले गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद को लेकर मध्यप्रदेश के सभी जिले में भगवती गौ माता संघ के द्वारा गौ हत्या बंदी के लिए कानून बने, गौ माता को राज्य माता के सम्मान से सुशोभित किया जाए, गौ माता का संरक्षण संवर्धन हो, नंदी बाबा की रक्षा हो, गौचर भूमि मुक्त हो, रासायनिक कृषि को नियंत्रि कर गौ आधारित कृषि को बढ़ावा दिया जाए सहित अन्य मांगों को लेकर अभियान किया जा रहा है। शहर के कोलीपुरा स्थित श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के संत माधवदास महाराज ने आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने गौ भक्तों से कहाकि पूरे देश में गौमाता की स्थिति चिंताजनक है। इसी को देखते हुए यह अभियान शुरू किया. गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिलने के बाद गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। बड़ी संख्या में गौवंश सड़कों पर भटक रहा है, दुर्घटनाओं में मौत हो रही है। केंद्र और राज्य सरकार गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देकर प्रभावी कदम उठाए, इसी उद्देश्य से यह मुहिम शुरू की गई है।

संस्कार मंच ने दिया साथ

इस मौके पर संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि इस अभियान से देशभर में लाखों लोग जुड़ चुके हैं और विभिन्न राज्यों से लगातार समर्थन पत्र प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का अभियान है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा, गौ हत्या पाप है, इसे तत्काल बंद किया जाए। गौ माता को राज्य माता का सम्मान दिया जाए। यदि मांगें पूरी नहीं होतीं, तो भोपाल में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गोशालाओं का दौरा, जनजागरूकता सभाएं, हस्ताक्षर अभियान और सामाजिक संवाद कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। कई हिंदू संगठनों ने भी इस अभियान को सांस्कृतिक जागरण और भारतीय परंपराओं के संरक्षण से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रयास बताया है।

कुबेरेश्वरधाम पर गंगा दशहरा पर किया गया जलाभिषेक

हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे कुबेरेश्वरधाम

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी जिला मुख्यालय के समीपस्थ विश्व में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्र कुबेरेश्वरधाम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने एक साथ मटकी के कलश से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। वहीं यहां पर जारी निशुल्क भंडारे में विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया।अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहाकि निरंतर जलधारा महादेव को प्रसन्न करती है, जिससे भक्तों के घर में धन-धान्य और सुख-शांति की वृद्धि होती है गंगा दशहरा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। इसमें स्नान, दान, रूपात्मक व्रत होता है। ऐसी मान्यता है कि ग्रीष्म ऋतु में पानी की बहुत समस्या होती है और व्यक्ति व पशु-पक्षी बूंद-बूंद पानी के लिए भटकते हैं। इसी वजह से शिवलिंग पर अभिषेक कलश रखा जाता है। जिससे भगवान शिव को पानी की कमी न हो। कुबेरेश्वरधाम पर शाम को अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित श्री मिश्रा बाबा की आरती में पहुंचे थे, इसके अलावा सुबह मुरली मनोहर मंदिर में विराजमान भगवान शंकर-माता पार्वती, राम-सीता और भगवान श्रीकृष्ण और राधा का विशेष श्रृंगार किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान नगर परिषद भैरुंदा ने मां नर्मदा नीलकंठ घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

भैरुंदा,(संजय कलमोर)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर नगर परिषद भैरुंदा द्वारा आज नगर से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नीलकंठ के मां नर्मदा घाट पर वृहद सफाई अभियान चलाया गया।इस अभियान का नेतृत्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर. पी. भावरे जी ने किया। उनके साथ नगर परिषद भैरुंदा के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में श्रमदान के लिए उपस्थित रहे। सभी कर्मचारियों ने घाट परिसर, सीढ़ियों एवं नदी तट पर फैले कचरे, पॉलिथीन और पूजा सामग्री को एकत्र कर घाट को स्वच्छ बनाया। इस दौरान जल संरक्षण एवं नदियों की स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। सीएमओ भावरे जी ने कहा कि जल ही जीवन है। नदियां हमारी संस्कृति और जीवनदायिनी हैं। इनकी स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। नगर परिषद आगे भी ऐसे अभियान निरंतर चलाती रहेगी।गंगा दशहरा पर मां नर्मदा के तट को स्वच्छ बनाने का यह प्रयास नगरवासियों के लिए प्रेरणादायक रहा।

गंगा दशहरा के अवसर पर ग्राम बमुलिया दोराहा में कलश यात्रा एवं जल स्त्रोत पूजन कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के अवसर पर जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम बमुलिया दोराहा में कलश यात्रा एवं जल स्त्रोत पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ीकुंडी से सिर पर मंगल कलश धारण किए मातृशक्ति और ग्रामीणों की यह यात्रा पूरे उत्साह के साथ ग्राम की परिक्रमा पर निकली, जगह-जगह यात्रा का स्वागत हुआ। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर शामिल हुए। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम में श्री नागर ने कहा कि आज का यह दिन केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व, हमारी संस्कृति और हमारी जीवनदायिनी नदियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व है। उन्होंने कहा अपने गांव की नदी ही हमारे लिए गंगा है। इस अवसर पर जल स्त्रोतों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया, वृक्ष पूजन एवं पक्षियों के पेयजल हेतु सकोरे भी लगाए गए तथा जल संरक्षण हेतु कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया।

पंप ऑपरेटरों को दिया गया पानी की टंकियों की सफाई का प्रशिक्षण

सीहोर (निप्र)। जल गंगा अभियान के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सीहोर जनपद पंचायत सहित सभी जनपदों में पंप ऑपरेटर्स को वॉश ऑन व्हील के माध्यम से पानी की टंकियों की वैज्ञानिक एवं सुरक्षित तरीके से सफाई करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा टंकियों की नियमित सफाई, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने, क्लोरीनेशन प्रक्रिया तथा स्वच्छता संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि समय-समय पर पानी की टंकियों की सफाई सुनिश्चित करना जरूरी है।

श्रमदान में आज दो नन्हे बालक अनमोल और हर्षित ने सीवन की गोद में उतरकर दिल जीत लिया

वहीं महिला घाट को फिर से चकाचक कर दिया सीवन योद्धाओं ने पूर्व आर्मी जवान निकेश सिंह मेवाडा एवं छोटे सीवन पुत्र हर्षित एवं अनमोल का सम्मान सीवन मेडल पहनाकर किया गया

सीहोर (निप्र)। रविवार का दिन फिर से सीहोर के इतिहास में एक स्वर्णिम दिन के रूप में रहा, छतरी घाट कस्बा सीहोर में श्रमदान के तहत जलकुंभी को हटाकर एक जलाशय तैयार कर दिया जहां पर आसानी से पशु पक्षी जीव जंतु पानी पी सकते हैं और श्रमदान में सीवन पुत्र की टीम पूर्व आर्मी जवानों की टीम, सीवन योद्धाओं की टीम,छोटे सीवन पुत्रों की टीम ने आज सभी का दिल जीत लिया दो बच्चे अनमोल और हर्षित कुशवाह ने अपना जज्बा और नदी के प्रति प्रेम को दर्शाते हुए सिवन की गोद में पानी में उतरकर जलकुंभी को साफ करके संदेश दिया कि जब हम बच्चे नदी के प्रति इतने गंभीर है तो आप बड़े होकर नदी का ध्यान क्यों नहीं रखते दोनों बच्चों का सम्मान सीवन टीम ने मेडल से सम्मानित किया साथ ही पूर्व आर्मी जवान एवं समाजसेवी निकेश सिंह मेवाडा ने भी श्रमदान में आज अपना योगदान दिया उन्हें भी आज सम्मान के रूप में मेडल प्रदान किया गया। 8:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक श्रमदान का कार्यक्रम चला उसके उपरांत सीवन योद्धा सीवन महिला घाट पर सीवन की गोद में उतरे जहां पर व्याप्त गंदगी को पॉलिथीन को बोरियों को पूजन सामग्री को नदी से निकाला वे दिन भर सीवन में काम करते रहे और आखिरकार उस महिला घाट छावनी को चमका दिया शाम 5:00 बजे सिवन योद्धाओं का सम्मान रखा गया जिसमें शनि मंदिर के संस्थापक और मुख्य पुजारी द्वारा सिवन योद्धाओं का सम्मान किया गया।

पिपलिया मीराः पनीर फैक्ट्री के गोदाम में लगी भीषण आग, किसान के कृषि यंत्र व फसल जलकर खाक, लाखों का नुकसान

सीहोर (निप्र)। पिपलिया मीरा स्थित पनीर फैक्ट्री के गोदाम में शनिवार मध्य रात्रि लगभग 11 बजे भीषण आग लग गई। गोदाम में रखे कंटेनरों में लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। लपटें इतनी तेज थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं।आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल के पहुंचने तक आग फैक्ट्री से लगे किसान प्रेम सिंह मेवाड़ा के खेत तक पहुंच चुकी थी। भारी नुकसान आग की चपेट में आकर किसान प्रेम सिंह मेवाड़ा के पाइप, डोरी, सोलता, गेहूं काटने की मशीन और फोर-व्हीलर पूरी तरह जल गए। खेत में रखी उपार्जन की हुई फसल भी खाक हो गई। खेत के किनारे लगे पेड़ भी जलकर नष्ट हो गए। किसान के अनुसार नुकसान लाखों रुपए का है। घटना के बाद से किसान प्रेम सिंह मेवाड़ा हताश हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है।जयसिंह भारती जनपद सदस्य (पूर्व सरपंच) पिपलिया मीरा ने माननीय मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग की हे तेसिल से एवं मुख्यमंत्री निधि से आर्थिक सहायता देने की मांग की हे ग्रामीणों ने बताया कि समय पर दमकल पहुंच जाती तो नुकसान कम हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक ने रेहटी- बुधनी अनुभाग आवलीघाट का विस्तृत भ्रमण एवं निरीक्षण किया

बुदनी(संजय कलमोर)। पुलिस अधीक्षक जिला सीहोर श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना द्वारा बुदनी अनुभाग का विस्तृत भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान उन्होंने सलकनपुर मंदिर, आवली घाट, बुदनी घाट एवं बाद्राभान घाट पहुंचकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।पुलिस अधीक्षक द्वारा धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा सतत पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त घाट क्षेत्रों में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु आवश्यक संसाधनों एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा भी की गई भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना रेहटी, थाना बुदनी, थाना शाहगंज एवं एसडीओपी कार्यालय बुदनी का निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय थानों में संधारित अभिलेख, अपराध रजिस्टर, लंबित प्रकरण, मालखाना, हवालात एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।उन्होंने थाना प्रभारियों को लंबित अपराधों एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण, फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई तथा आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, समयबद्ध कार्यप्रणाली एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।निरीक्षण के दौरान थानों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली गई तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई।

भ्रमण के दौरान एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा, थाना प्रभारी रेहटी निरीक्षक राजेश कहारे, थाना प्रभारी शाहगंज निरीक्षक दिनेश सिंह चौहान एवं थाना प्रभारी बुदनी उपनिरीक्षक संदीप जाट उपस्थित रहे।

मंदिर के समीपस्थ स्थित 70 वर्ष पुरानी जर्जर धर्मशाला दे रही है बड़े हादसे को न्यौता

सीहोर (निप्र)। बारिश का मौसम सिर पर है आसमान में कुछ दिन में काले बादल मंडराने लगेंगे, लेकिन सोहर प्रशासनिक अमला गहरी नींद में सोया हुआ है। नगरीय क्षेत्र के सबसे व्यस्त और संवेदनशील इलाके तहसील चौराहा के पास स्थित एक 70 वर्ष धर्मशाला इस समय मौत का साया बनी खड़ी है। यह इमारत इतनी जर्जर हो चुकी है कि कभी भी भरभराकर गिर सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। यही लापरवाही रही तो कभी भी किसी निर्दोष को जान गवाना पड़ सकता है। तहसील चौराहा सीहोर का यह इलाका है जहाँ सुबह से लेकर रात तक हजारों लोगों की आवाजाही होती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग समीपस्थ प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर व तहसील और कोर्ट से जुड़े कामों के लिए इसी रास्ते से गुजरते हैं।इसी मुख्य मार्ग के नजदीक स्थित यह जर्जर धर्मशाला अब एक खतरा बन चुकी है। इमारतकी दीवारे दरक चुकी हैं, छत का हिस्सा कभी भी नीचे गिर सकता है। आगामी बारिश के मौसम में जब तेज हवाएं और पानी इस खोखली हो चुकी इमारत पर पड़ेगा, तो इसके डहने की आशंका 100 प्रतिशत है। इस गंभीर मुद्दे पर सीहोर के समाजसेवी विवेक राठिया ने जनता की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। कहा है कि यह सिर्फ एक जर्जर इमारत नहीं है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता सबूत हैं। रोज यहाँ से हजारों लोग गुजरते हैं, स्कूली मासूम बच्चे निकलते हैं। अगर बारिश के दौरान यह धर्मशाला गिरती है, तो कई परिवारों के चिराग बुझ सकते हैं। प्रशासन को तुरंत इस पर एक्शन लेना चाहिए, कागजी खानापूर्ति बंद हो। सीधे तौर पर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि अगर समय रहते इस ढांचे को नहीं ढहाया गया या सुरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में होने वाले किसी भी हादसे की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और नगर पालिका की होगी। श्री रूठिया ने आगे कहा कि मानसून आने में कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन अभी तक इमारत को खतरनाक घोषित कर बैरिकेडिंग भी नहीं की गई है। व्यस्त कमर्शियल एरिया होने के बावजूद नपा की टीम ने मौके का मुआयना कर तुरंत एक्शन लेने की जहमत नहीं उठाई। रूठिया ने कहा कि उक्त जर्जर बिल्डिंग का कुछ हिस्सा पहले ही टूटा पड़ा है और अब पुरी बिल्डिंग किसी भी समय धराशाही हो सकती है किसी की भी मौत का करण बन सकती है, प्रशासन का ध्यान इस ओर आक्रषित कराते हुए उक्त बिल्डिंग को किसी भी खतरे से पूर्व ढहाया जावे और सुरक्षित किया जावे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com